04 - भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

05 - संपूर्ण विश्व में है सूर्योपासना की परंपरा

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 6 नवंबर, 2024

06 - हल्ला मचने के बाद ग्रामीणों ने दो बदमाशों को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

07- जिंदगी की तकलीफों को नजदीक से देखने 15 हजार किलोमीटर...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-67 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महाराष्ट्र : उलझे सियासी समीकरण में ओवैसी की पार्टी किंगमेकर बनेगी?

मानसी फडके

आगामी महाराष्ट्र चुनावों में, असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अपनी अब तक की सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी को उम्मीद है कि वह अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करेगी और छह प्रमुख दलों और कई नए राजनीतिक गठबंधनों के साथ होने वाले इस चुनाव में किंगमेकर के रूप में उभरेगी। हैदराबाद के सांसद ओवैसी की पार्टी ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह इस बार 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि 2019 में उसने 44 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

पत्रकारों से बात करते हुए एआईएमआईएम के पूर्व सांसद और महाराष्ट्र पार्टी के प्रमुख इम्तियाज जलील ने कहा, 'महाराष्ट्र की स्थिति अब ऐसी हो गई है कि किसी भी चीज की कोई गारंटी नहीं है। क्या अजित पवार महायुति के साथ रहेंगे? क्या एकनाथ शिंदे इस तरफ कूदेंगे? सभी तरह की जोड़-तोड़ हो सकती है। कोई नैतिकता नहीं बची है।'

2022 में, शिवसेना में तब दरार आ गई थी जब शिंदे बहुमत की संख्या के विधायकों के साथ पार्टी से बाहर हो गए और भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार बना ली, और दावा किया कि वही 'असली शिवसेना' है। 2023 में, अजीत पवार ने एनसीपी के साथ भी ऐसा ही किया। जलील ने कहा, 'कल अगर ऐसी स्थिति बनती है कि सरकार बनाना पड़े, तो एमआईएम किंगमेकर के रूप में उभर सकती है। हर कोई जानता है कि हम किसका समर्थन करेंगे। हम नहीं चाहते कि सत्तारूढ़ गठबंधन सत्ता में आए।'

नाम न बताने की शर्त पर पार्टी के एक नेता ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एआईएमआईएम के पदाधिकारियों ने ओवैसी के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन का जायजा लिया और वोट शेयर के बजाय स्ट्राइक रेट पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। स्ट्राइक रेट सीटों की वह संख्या है, जिस पर पार्टी जीतती है। नेताओं ने चर्चा की कि पार्टी का प्राथमिक उद्देश्य सत्तारूढ़ महायुति सरकार को हटाना है और बेहतर स्ट्राइक रेट से पार्टी एक विश्वसनीय खिलाड़ी के रूप में उभर सकती है, जो दूसरी तरफ संख्या बढ़ा सकती है।

'चुनावों से पहले, AIMIM ने कहा था कि वह कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और NCP (शरदचंद्र पवार) के विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) गठबंधन में शामिल होने के लिए बहुत उत्सुक है। लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। चुनाव के बाद, शायद ऐसी स्थिति पैदा हो जाए कि वे एआईएमआईएम के दरवाजे खड़े हों।'

2022 में भी, जब महाराष्ट्र में एमवीए सत्ता में थी, एआईएमआईएम ने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं से संपर्क किया था और कहा था कि वह गठबंधन में शामिल हो सकती है और इसे 'तीन पहिया ऑटो रिक्शा' से - जिसका अर्थ है तीन दलों का अस्थिर गठबंधन- 'आरामदायक कार' में बदल सकती है।

गठबंधन में सबसे वरिष्ठ पार्टी, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना ने इस सुझाव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पार्टी कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति के साथ गठबंधन नहीं कर सकती जिसने मुगल सम्राट औरंगजेब के सामने सिर झुकाया हो।

2019 के चुनावी आंकड़ों के अनुसार, इस बार केवल 16 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद, AIMIM में अभी भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में MVA की संभावनाओं को नुकसान पहुँचाने की क्षमता है। 16 सीटों में से पाँच- औरंगाबाद सेंट्रल, मुंब्रा कलवा, सोलापुर, नांदेड़ साउथ, मानखुर्द शिवाजीनगर और नागपुर उत्तर- पर मौजूदा विधायक MVA के हैं। धुले और मालेगांव सेंट्रल की सीटें फिलहाल AIMIM के पास हैं। मालेगांव सेंट्रल से AIMIM विधायक मोहम्मद इस्माइल अब्दुल खालिक ने 2019 में कांग्रेस उम्मीदवार को 38,519 वोटों के बड़े अंतर से हराया था। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 16 सीटों में से आठ, जहां महायुति के विधायक हैं, AIMIM ने 2019 में कांग्रेस को कम से कम दो और अविभाजित NCP को एक सीट पर बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया था। उदाहरण के लिए, भिवंडी पश्चिम में, जिसे भाजपा ने 58,857 वोटों के साथ जीता था, IMIM 43,945 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर थी, जबकि कांग्रेस 28,359 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर थी। इसी तरह, बायकुला में, जहां अविभाजित शिवसेना के उम्मीदवार ने जीत हासिल की, AIMIM 31,157 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि कांग्रेस को केवल 24,139 वोट मिले। बायकुला में AIMIM और कांग्रेस के संयुक्त वोट, विजयी उम्मीदवार यामिनी जाधव को मिले 51,180 वोटों से ज़्यादा थे। शिवसेना के विभाजन के बाद, जाधव ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन कर लिया।

कुर्ला में, जहां अविभाजित शिवसेना ने जीत हासिल की, AIMIM और अविभाजित NCP के वोट मिलकर भी विजयी उम्मीदवार से थोड़े कम थे। यहां, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन करने वाले मंगेश कुडलकर को 55,049 वोट मिले, जबकि AIMIM और अविभाजित NCP को क्रमशः 17,349 और 34,036 वोट मिले, यानी कुल 51,385 वोट।

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि एमवीए को एआईएमआईएम से कोई स्पष्ट प्रस्ताव नहीं मिला है। गठबंधन की बातचीत मीडिया के ज़रिए नहीं हो सकती। इसलिए अब चुनाव के बाद पार्टी की भूमिका के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। 'लोंढे ने कहा कि लोकसभा चुनावों में मतदाताओं ने मतों के विभाजन से परहेज किया। हमें विश्वास है कि विधानसभा चुनावों में भी ऐसा ही होगा।'

इस साल लोकसभा चुनावों में, एमवीए ने 48 में से 30 सीटें जीतीं, जबकि महायुति को केवल 17 सीटें मिलीं। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई- जो कांग्रेस का बागी था और जिसने खुद को एमवीए के साथ जोड़ लिया। ओवैसी की AIMIM ने महाराष्ट्र में पहली बार 2012 में धूम मचाई थी, जब इसने कांग्रेस के गढ़ नांदेड़ नगर निकाय की 81 सीटों में से 11 पर जीत हासिल की थी। क्या महाराष्ट्र के उलझे राजनीतिक समीकरण में ओवैसी की AIMIM किंगमेकर बन सकती है!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

सिविल सेवाओं में महिलाओं को मिलेगा 35% आरक्षण

नवीन मेडिकल कॉलेज में प्राध्यापकों की भर्ती की आयु सीमा की गई 50 वर्ष

254 नए उर्वरक विक्रय केंद्रो की स्थापना की स्वीकृति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 में मुख्यमंत्री के आदेश दिनांक 13.09.2023 एवं इसके परिपालन में विभाग द्वारा जारी अधिसूचना 3 अक्टूबर, 2023 का अनुसमर्थन किया गया। इस निर्णय से महिला आरक्षण 35 प्रतिशत होगा।

660 मेगावॉट क्षमता की नवीन अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की स्थापना के लिए फिजिबिलिटी स्टडी- मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 (410) मेगावाट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 (420 मेगावाट) में स्थापित इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 में स्थित इकाई क्रमांक 6 एवं 7 (200+210 मेगावॉट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 में स्थित इकाई क्रमांक 8 एवं 9 (2X210 मेगावॉट) द्वारा रूपांकित आयु पूर्ण कर ली गई हैं।

254 नए उर्वरक विक्रय केंद्रों की स्थापना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2024-25 में (खरीफ एवं रबी सीजन में) 254 नए उर्वरक विक्रय केन्द्र स्थापित करने पर मानव संसाधन पर होने वाली संभावित व्यय की वास्तविक राशि अधिकतम 1 करोड़ 72 लाख रूपये की सीमा तक की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।

आयु-सीमा में वृद्धि का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दृष्टिगत रखते हुए सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सह चिकित्सीय पाठ्यक्रमों की मान्यता

म.प्र. सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम, 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही को लंबित रखते हुए शैक्षणिक सत्र 2023-24 एवं आगामी सत्रों की मान्यता प्रक्रिया, साथ ही सह-चिकित्सीय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर्मियों के पंजीयन एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का आयोजन पूर्व में प्रचलित म.प्र. सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम, 2000 अंतर्गत प्रचलित नियमों के अनुसार, पूर्व में विघटित मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद को पुनर्जीवित करते हुए, पूर्ण किये जाने तथा राष्ट्रीय आयोग द्वारा अधिनियम अंतर्गत प्रावधानित विनियम (रेगुलेशन) जारी होने के उपरांत विनियम के अनुरुप मध्यप्रदेश अलाइड एंड हेल्थ केयर कौंसिल द्वारा स्वशासी बोर्ड्स के गठन होने पर पुनर्जीवित मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद स्वतः समाप्त हो जायेगी एवं मंत्रि-परिषद् के पूर्व में लिये गये निर्णय अनुसार मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही की जाने की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा दी गई।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय द्वारा लागू की गई केन्द्र प्रवर्तित परियोजना Strengthening of Cooperatives through IT Interventions अंतर्गत प्रदेश के पंजीयक सहकारी संस्थाएँ कार्यालय के कम्प्यूटराईजेशन के लिए परियोजना की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी। इस पर 3 करोड़ 68 लाख रूपये व्यय आयेगा, जिसकी 60 प्रतिशत राशि केन्द्र एवं 40 प्रतिशत राशि राज्य शासन द्वारा वहन की जायेगी।

विजयपुर उपचुनाव के रिटर्निंग अफसर सिकरवार को हटाया

- **एसडीएम गढ़वाल को इलेक्शन का जिम्मा; चुनाव आयोग ने अब तक दो अधिकारी बदले**

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश चुनाव आयोग ने विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी और राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर उदय सिंह सिकरवार को हटा दिया है। आयोग ने राज्य शासन को दिए निर्देश में कहा है कि एसडीएम सिकरवार का तबादला श्योपुर जिले से बाहर किया जाए। श्योपुर एसडीएम मनोज गढ़वाल को विजयपुर का चार्ज दिया जाए। इसके बाद जल्द ही सामान्य प्रशासन विभाग तबादला आदेश जारी करेगा।

विजयपुर विधानसभा सीट पर मतदान के एक हफ्ते पहले यह कार्रवाई कांग्रेस की शिकायत पर की गई है। इससे पहले जनपद पंचायत के सीईओ अशोक कुमार शर्मा को हटाया गया था।

दरअसल, विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सिकरवार के खिलाफ शिकायत की थी। कटारे ने चुनाव आयोग से कहा था, सिकरवार बीजेपी के लिए काम करते रहे हैं। 2017-18 उपचुनाव में भी शिकायत के बाद उन्हें हटाया गया था। इसके बाद 2020-21 में मुंगावली उपचुनाव के समय भी इसी वजह से सिकरवार को हटाया गया था। इस बार फिर उदय सिंह सिकरवार को विजयपुर उपचुनाव कराने की जिम्मेदारी दे दी गई है। आखिर हर बार उनको ही क्यों रिटर्निंग ऑफिसर बनाया जाता है?

सुप्रभात

खूबसूरती इसमें है कि ..
नादानियाँ भी,संजीदगी से की जाएं
उम्र के साथ आप बेहतर होते जाएं !
दुनिया को नही परवाह, दिक़्क़तों की
खूबसूरत तस्वीरों को साझा करते जाएं !
दर्द आपके अपने, गम आपका नसीब हैं
सबसे कहकर हँसी का पात्र ना बनते जाएं !
कहीं बाँट दी,ख़बर ख़ुशी की सबसे
ताज्जुब नही आँख की किरकिरी होते जाएं !
लोग अकसर, ख़ुशी में ख़ुश नही होते
आप हैरान परेशान बनने की रस्म निभाते जाएं !
जो अपने हैं वाक़ई,वही फ़िक्रमंद हैं
वरना हर किसी की बातों में ना आते जाएं !
दिल खोलकर रखने का,अब दौर गया
ज़ख़्म खाएं और सबक़ लेते जाएं !
हर कोई है,अपनी जंग में मसरूफ़
आप बस अपनी अपनी ना गाते जाएं !
ये आज की तस्वीर है,सबकी आपबीती
जज़्बात हमने कहा बोलकर सुनाते जाएं !

- रंजना बंसल

मैहर को डेवलप करेगा म.प्र. टूरिज्म बोर्ड

राज्यमंत्री लोधी ने ली मीटिंग; बोले- पीएम वायु सेवा का रेगुलर संचालन हो

भोपाल (नप्र)। एमपी टूरिज्म बोर्ड उज्जैन के बाद मैहर को भी डेवलप करेगा। धार्मिक स्थल मां शारदा मंदिर के आसपास टूरिज्म सुविधाएं भी विकसित की जाएगी। इसे लेकर बोर्ड ध्यान दें। यह बात पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहीं।

मंगलवार को एमपी टूरिज्म बोर्ड की मीटिंग हुई। राज्य मंत्री लोधी ने पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की समीक्षा भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वायु सेवा का संचालन हो रहा है। इसलिए इसके संचालन का विशेष ध्यान दिया जाए। उड़ाने समय पर और नियमित संचालित हो।

बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत पर खुलासा

फॉरेंसिक रिपोर्ट में कोदो बाजरा में मिला एसिड; इसी को खाने से मौत

भोपाल। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले हफ्ते तीन दिन के अंदर हुई 10 हाथियों की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। हाथियों की मौत कोदो बाजरा में साइक्लोपियाजोनिक एसिड पाए जाने से हुई है। फॉरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार कोदो बाजरा में साइक्लोपियाजोनिक एसिड पाया गया है। इसे खाने से ही हाथियों की मौत हुई है। एपीसीसीएफ वन्य प्राणी एल कृष्णमूर्ति ने बताया कि केंद्र सरकार के आईवीआरआई (Indian Veterinary Research Institute), बरेली (उत्तर प्रदेश) की टॉक्सिकोलॉजिकल रिपोर्ट के अनुसार, हाथियों ने बड़ी मात्रा में खराब कोदो पौधे/अनाज खाए हैं।

सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकती हैं सरकारें

सुप्रीम कोर्ट बोला-हर निजी संपत्ति भौतिक संसाधन नहीं

एससी ने 45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में 9 जजों की बेंच ने 7-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संसाधनों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है। बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।

सीजेआई बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट कानून रखा बरकरार

- **अब 17 लाख मदरसा स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे**
- **सर्वोच्च अदालत की पीजी-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। यानी उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16000 मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा-यूपी मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का उल्लंघन नहीं करते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मरदसों को पीजी और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड हायर एजुकेशन का सिलेबस और किताबें तय नहीं कर पाएंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 20°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 6 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

रीजनल रूरल बैंकों के मर्जर की तैयारी में सरकार

43 से घटकर रह जाएंगे 28

हरेक राज्य में केवल एक बैंक रखने का है प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार की नजर अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर है। देश में अभी 43 ग्रामीण बैंक हैं। सरकार उनकी संख्या 28 करना चाहती है। इसके लिए कुछ बैंकों का दूसरे बैंकों में मर्जर करने का प्लान है। इससे इन बैंकों को लागत कम करने और कैपिटल बेस बढ़ाने में मदद मिलेगी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने इस बारे में एक दस्तावेज तैयार किया है। इसमें ग्रामीण बैंकों के मर्जर का प्रस्ताव है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक छोटे किसानों, कृषि मजदूरों और छोटे कारोबारियों को क्रेडिट देते हैं लेकिन उनकी पूंजी और

टेक्नोलॉजी तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। 31 मार्च, 2024 तक के आंकड़ों के मुताबिक इन बैंकों के पास कुल 6.6 लाख करोड़ रुपये जमा थे जबकि उनका एडवांस 4.7 लाख करोड़ रुपये का था। एक बैंकर ने कहा कि प्रस्तावित मर्जर के बाद एक राज्य में एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रह जाएगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। एसेट्स के हिसाब से देश में अब भी आधे से अधिक बैंकिंग सेक्टर पर सरकारी बैंकों का कब्जा है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

वन नेशन-वन इलेक्शन

वक्फ विधेयक बिल पेश हो सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दी। सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने के आसार हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। 18वीं लोकसभा का पहला

मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं थी। सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136 फीसदी रही। इसी सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया। इस पर कुल 27 घंटे और 19 मिनट तक चर्चा चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में कुल 65 प्राइवेट मेम्बर बिल भी पेश किए गए थे। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, इस सत्र के दौरान देश के कई हिस्सों में आए लैंडस्लाइड, बाढ़ और जान-माल के नुकसान पर भी चर्चा हुई।

देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं

झारखंड में सीएम योगी बोले- पहले औरंगजेब ने लूटा, अब झारखंड को आलमगीर आलम लूट रहे

रांची (एजेंसी)। 'गेटवे ऑफ झारखंड' के नाम से मशहूर कोडरमा से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने राज्य की हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह औरंगजेब ने देश को लूटा था, मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड सरकार एक मंत्री था आलमगीर आलम। उनके घर से नोटों की गड्डियां मिली थीं। ये पैसा झारखंड के गरीबों का था, जिसे लूटकर जमा किया गया था। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के कोडरमा और बड़कागांव की सभाओं में सीएम योगी

ने बटेंगे तो कटेंगे का नारा दोहराया। उन्होंने लोगों से कहा कि अपनी ताकत का एहसास करवाइए। जातियों में नहीं बंटना है। जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे, कांग्रेस और विपक्ष यही काम करती है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या को बुला रहे हैं। एक दिन ये लोग आपको घर के अंदर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए और नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं। सीएम योगी ने अपनी तीसरी सभा कोल्हान एरिया के जमशेदपुर में की। बता दें, झारखंड में दो चरणों में 81 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को 38 सीटों पर मतदान होगा। सीएम योगी बोले- आज भारत के नाम से ही पाकिस्तान थर-थर कांपता है। आज भारत इतना शक्तिशाली है कि सभी आतंकवादी अपने बिल में घुसे हुए हैं। पीएम मोदी इतने शक्तिशाली हैं कि आज कोई भी देश भारत की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखता है। पहले चीन भारत को आंख दिखाता था अब वह पीछे हट रहा है। इंडिया देश की सुरक्षा, देश के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ कर रहा है इसलिए लोग बीजेपी को वोट दे रहे।

● आलमगीर के करीबियों घर मिले थे 35.23 करोड़ रुपए

योगी ने जिन आलमगीर आलम का जिक्र किया वे झारखंड की हेमंत सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 जुलाई 2024 को आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल, उनके घरेलू नौकर जहांगीर आलम, एक बिल्डर और दो इंजीनियर्स के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुल 35.23 करोड़ रुपए कैश जब्त किए गए थे। नौकर जहांगीर के फ्लैट के कमरों में झोले में भर-भरकर 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। तब नोट गिनने की तीन मशीन मंगाई गई। तीन दिन की गिनती के बाद यहां कुल 31.20 करोड़ रुपए मिले।

कांग्रेस प्राइवेट कंपनी नहीं कि जो एमडी चाहेगा होगा

लक्ष्मण सिंह बोले- कमरे में बैठकर बनी प्रदेश कार्यकारिणी; कई कार्यकर्ताओं को चांस नहीं मिला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी को लेकर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने जीतू पटवारी की टीम पर सवाल उठाए हैं। लक्ष्मण सिंह ने एक वीडियो जारी कर कहा-ये जो पीसीसी बनी है। यह बंद कमरे में बैठकर बन गई या फिर ऐसा लगता है कि किसी ने इनको लिस्ट पकड़ाई और उन्होंने जारी कर दी।

लक्ष्मण सिंह ने कहा- यह तरीका नहीं है, यह कोई प्राइवेट कंपनी नहीं है कि एमडी जो चाहेगा वह होगा। अध्यक्ष, अध्यक्ष होता है। अध्यक्ष एमडी नहीं होता। कांग्रेस एक पार्टी और संगठन है, इसलिए उनको चाहिए कि बहुत सारे हमारे जैसे लोग कार्यकर्ता हैं, जिनको अभी चांस नहीं मिला।

भाजपा प्रवक्ता ने एक्स पर शेयर किया वीडियो- बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह का वीडियो X पर शेयर किया। वीडियो में लक्ष्मण सिंह कह रहे हैं कि, सवाल मेरा नहीं है। सवाल उनका है, जो वर्षों से कांग्रेस का काम कर रहे हैं और जिनको सालों तक काम करने का अनुभव है। आज तक हम जिनको कोई चुनाव नहीं लड़ा पाए, हम कोई पद नहीं दे पाए, ऐसे बहुत सारे हमारे साथी हैं। पुरुष भी हैं, महिलाएं भी हैं।

सबकी राय से पीसीसी गठन की परंपरा टूटी

लक्ष्मण सिंह ने कहा- जब हम पीसीसी या जिले की बॉडी का गठन करते हैं तो सब की राय लेकर किया जाता है। ऐसा होता था पहले। मैं 1990 में विधायक बना और सन 1972 से मैं कांग्रेस के लिए काम कर रहा हूं। पहले जो नेता रहे श्यामा चरण हों, अर्जुन सिंह हों, बोरा जी हों, यह लोग कार्यकर्ताओं से पूछ कर बॉडी बनाते थे। उसका गठन होता था।

विंध्य के 8-10 जिलों से किसी को लिया ही नहीं- लक्ष्मण ने कहा- अजय सिंह ने जो बात कही। वह गलत नहीं कही। विंध्य के 8-10 जिलों से किसी को लिया ही नहीं। रीवा संभाग पूरा छोड़ दिया, कटनी जिला छोड़ दिया। वहां 40-50 सीटें आपने ऐसे ही छोड़ दी। फिर आप सरकार बनाने की बात करते हो। 40-50 सीटों पर आपने किसी को लिया ही नहीं। इस तरह संगठन की सूचियां बनाएंगे तो नुकसान होगा।

मैं पार्टी हित में बोल रहा, सबको बोलना चाहिए- पूर्व सांसद ने कहा- अब कब तक नुकसान उठाओगे। अब तो खड़गे जी खुद बोल रहे हैं, यह मैं नहीं बोल रहा हूं। वह बोल रहे हैं कि, वह वादा करो, जो निभा सको। बहुत बड़ी बात कही। मैं तो शुरू से कह रहा हूं। मुझसे सब लोग नाराज रहते हैं। मैं तो पार्टी के हित में बोलता हूं और सबको बोलना चाहिए।

बोलने से क्या होगा? मैं बोल रहा हूं तो ऐसा तो है नहीं कि मुझे पार्टी ने निकाल दिया या पार्टी वाले किसी ने मुझसे सवाल नहीं किया कि आप क्यों बोलते हो। पार्टी के हित में बोलना चाहिए। हम लोग नहीं बोलेंगे तो कौन बोलेगा? पार्टी सबकी होती है।

फिर से सस्ता मिलेगा भारत आटा और चावल

● 30 रुपए किलो आटा और 34 रुपए किलो चावल देने की तैयारी ● सरकार ने कसी कमर, एनसीसीएफ और नेफेड के जरिए होगी बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगी चीजों के बीच सरकार अब फिर से सस्ते आटे और चावल की बिक्री शुरू कर रही है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने आज यहां भारत आटा और चावल की बिक्री के दूसरे चरण की शुरुआत की। मंत्री ने एनसीसीएफ, नेफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। भारत आटा और चावल के चरण-2 के दौरान ग्राहकों को 30 रुपये प्रति किलो की दर से आटा और 34 रुपये प्रति किलो की दर से चावल मिलेगा। हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जोशी ने बताया कि यह पहल ग्राहकों को रियायती दर पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। उन्होंने बताया कि चावल, आटा और दाल जैसे भारत ब्रांड के तहत बुनियादी खाद्य पदार्थों की खुदरा बिक्री के माध्यम से प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली है। भारत आटा और चावल के दूसरे चरण के लिए सरकार ने तीनों संगठनों को 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल उपलब्ध कराए है।

2025 में बिहार महागठबंधन में 'चालीस' का बढ़ा टेंशन!

तेजस्वी कर रहे भागमभाग, इधर मुकेश सहनी ने सेट किया टारगेट

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार में उपचुनाव चल रहा है। इस उपचुनाव को अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। इसी के चलते सभी पार्टियां अपना पूरा जोर लगा रही हैं। तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की ओर से मोर्चा संभाल रखा है। तेजस्वी इन दिनों बिहार से लेकर झारखंड तक भागमभाग कर रहे हैं। इधर महागठबंधन के साथी वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अपनी पार्टी के छठे स्थापना दिवस पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 40 सीटों

पर जीत का लक्ष्य रखा। माना जा रहा है कि इससे महागठबंधन में टेंशन होगी, क्योंकि अभी चुनाव में वक्त है। ऐसे में पहले से ही मुकेश सहनी का इस तरह का बयान न तो राजद को रास आएगा और न कांग्रेस को पसंद आएगा। दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम में मुकेश सहनी ने सोमवार को कहा कि वीआईपी ने सीमित संसाधनों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

महाराष्ट्र में बगावत वाली पॉलिटिक्स, होगा 'खेला'

● मंत्री पिता बीजेपी कैंडीडेट, हिना गावित ने छोड़ी पार्टी, नंदुरबार में चढ़ा पारा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानभा चुनावों में बीजेपी को नंदुरबार में बड़ा झटका लगा है। पार्टी की पूर्व सांसद हिना गावित ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। पेशे से डॉक्टर हिना गावित पूर्व एनसीपी विधायक विजय कुमार गावित की बेटी हैं। वह 2014 में नंदुरबार से लोकसभा के लिए चुनी गई थी। इसके बाद 2019 में हिना गावित फिर से जीती थीं लेकिन 2024 के चुनावों में हिना गावित हार गई थीं। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जी के पाडवी को जीत मिली थी। हिना गावित विधानसभा चुनावों में अक्कलकुवा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरी हैं। महायुति में यह सीट बंटवारे के तहत शिवसेना को मिली थी। शिवसेना ने इस सीट से आमश्या फुजली पाडवी को उतारा है, जबकि एमवीए यानी कांग्रेस से एडवोकेट के सी पाडवी मैदान में हैं। दो बार नंदुरबार की सांसद रही हिना गावित आमश्या की उम्मीदवारी का विरोध कर रही थीं। अब उन्होंने बीजेपी द्वारा एक्शन लिए जाने की चेतावनी के बाद इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और नंदुरबार की पूर्व सांसद हिना गावित से अक्कलकुवा सीट से अपना नामांकन वापस लेने को कहा था। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

परमीशन मिलने पर फ्लाइट में इस्तेमाल कर सकेंगे वाईफाई

● इंडियन एयर स्पेस में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद मिलेगी यह सुविधा

मुंबई (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट में पैसेंजर्स वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस का इस्तेमाल तभी कर पाएंगे, जब विमान इंडियन एयर स्पेस में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद उसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए फ्लाइट एंड मेरीटाइम कनेक्टिविटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2024 के तहत आया है। इससे पहले 2018 में यह अनिवार्य किया गया था कि विमान में मोबाइल कम्युनिकेशन सर्विस तभी शुरू की जा सकती है जब विमान स्थलीय मोबाइल नेटवर्क के साथ हस्तक्षेप से बचने के लिए 3,000 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर पहुंच जाए।

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत, खेला कार्ड

बोले-कहीं तो रुकना पड़ेगा, अब चुनाव नहीं लडूंगा, नए लोगों को चुनकर आना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी (शरद) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं। 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की।

ए-अर्नब से जेड-जुबैर तक को दी जमानत, यही मेरी फिलॉसफी

सीजेआई बोले-न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब सरकार के खिलाफ फैसला सुनाना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी मामले का अच्छा या बुरा जैसा मीडिया में दिखाया जाता है उससे काफी अलग हो सकता है। मैंने ए से लेकर जेड (अर्नब गोस्वामी से लेकर जुबैर तक) को जमानत दी है।

यही मेरी फिलॉसफी है। जमानत नियम है और जेल अपवाद है, इस सिद्धांत का मुख्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। सीजेआई ने सोमवार को इंडियन एक्सप्रेस के इवेंट में कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के

खिलाफ फैसला सुनाना नहीं होता लेकिन कुछ प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर दबाव डालकर अपने पक्ष में फैसला पाने की कोशिश कर रहे हैं। अदालतों पर दबाव डालते हैं प्रेशर ग्रुप उन्होंने कहा कि हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया के आने से इंटरेस्ट ग्रुप, प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर उनके पक्ष में फैसला लेने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि अगर जज इन प्रेशर ग्रुप के पक्ष में फैसला देते हैं तो ये ग्रुप न्यायपालिका को स्वतंत्र कहते हैं। अगर जज ऐसा नहीं करते हैं तो न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं हैं। इसी बात पर मेरी आपत्ति है।

म.प्र. में बढ़ जाएंगे प्रॉपर्टी के दाम

रेवेन्यू ओरिएंटेड ड्राइव में आज तय होंगे नए रेट, ढाई हजार से अधिक लोकेशन होंगी महंगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार ने रेवेन्यू ओरिएंटेड ड्राइव में प्रदेश की उन लोकेशंस पर जमीन और इमारतों के सरकारी दाम बढ़ाने का फैसला किया है, जहां फिलहाल ज्यादा रजिस्ट्रियां हो रही हैं। इन लोकेशंस को पहचानने का काम जिलों में कलेक्टर द्वारा करा लिया गया है। 5 नवंबर तक सभी जिलों के प्रस्ताव आईजी, पंजीयन और मुद्रांक के पास पहुंच जाएंगे।

6 नवंबर को केंद्रीय मूल्यांकन समिति जिलों से आए प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी देगी। इसके बाद ढाई हजार से अधिक लोकेशंस पर प्रॉपर्टी के रेट एक साल में दूसरी बार बढ़ जाएंगे। सरकार द्वारा कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर पब्लिक पर होगा और उन्हें महंगे दामों पर रजिस्ट्री करानी पड़ेगी। हालांकि, कीमतें बढ़ाने से सरकार का राजस्व बढ़ेगा।

दरअसल, प्रदेश के वाणिज्यिक कर विभाग के तहत आने वाले पंजीयन और मुद्रांक विभाग द्वारा हर साल कलेक्टर के माध्यम से 1 अप्रैल से 31 मार्च तक के लिए कलेक्टर गाइडलाइन मंजूर करने का काम किया जाता रहा है। इसमें जिले की अलग-अलग लोकेशंस पर मौजूद निजी और सरकारी जमीन की कीमतें दर्ज होती हैं। आवासीय, व्यवसायिक और खेती की जमीन के लिए अलग-अलग दाम तय किए जाते हैं। सरकार इसी कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर खरीदी और बेची जानी वाली प्रॉपर्टी पर स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन फीस की वसूली करती है।

अब साल में दो बार बढ़ेगी रजिस्ट्रेशन फीस: शासन द्वारा अब तक वित्त वर्ष में केवल एक बार ही प्रॉपर्टी की कीमतों में बढ़ोतरी की जाती रही है। नए नियमों के अनुसार, अब वर्ष में दो बार संपत्तियों का पंजीयन शुल्क बढ़ाया जाएगा। इसलिए कलेक्टर से कहा गया है कि शहर तथा अन्य नगरीय निकाय में जहां प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि हुई है, वहां शुल्क बढ़ाना प्रस्तावित करेंगे। साथ ही पंजीयन शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव में कारण का स्पष्ट उल्लेख करेंगे। प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ने से आम आदमी के लिए आशियाना बनाने का सपना वैसे भी टेढ़ी खीर होता है। अब मोहन सरकार द्वारा एक साल में दो बार प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ाने के फैसले से लोगों के लिए जमीन और मकान खरीदना ज्यादा मुश्किल हो जाएगा।

भोपाल में 243 लोकेशन पर बढ़ सकते हैं दाम: भोपाल में 3883 लोकेशंस में 243 ऐसी हैं, जहां ज्यादा रजिस्ट्री हुई हैं। इसके लिए भोपाल कलेक्टर ने जिला मूल्यांकन समिति की बैठक लेकर कीमतों में वृद्धि का प्रस्ताव आईजी, पंजीयन और मुद्रांक को भेजा है।

ग्वालियर के 2321 में से 137 लोकेशन पर बढ़ सकते हैं रेट: ग्वालियर जिले में कुल 2321 लोकेशंस में से 137 लोकेशन पर 5 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी प्रस्तावित है। जिले में कहीं-कहीं 400 प्रतिशत अधिक कीमत तक भी रजिस्ट्री हो रही हैं।

रीवा में 79, इंदौर में 469 लोकेशंस पर कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव

रीवा जिले में कुल 3940 में से 79 लोकेशंस पर कीमतों में वृद्धि प्रस्तावित की गई है। शहरी क्षेत्र की 933 लोकेशन में से 23 पर 20 प्रतिशत जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 3007 लोकेशंस में 57 प्रतिशत बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। वहीं, इंदौर जिले में अचल संपत्तियों की गाइड लाइन में कुल 469 लोकेशंस में 0 से 31त्न तक की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। साथ ही 105 नई कॉलोनी, लोकेशंस को भी गाइड लाइन से जोड़ा जा रहा है।

सागर में 71 स्थानों पर कीमतें बढ़ेंगी

सागर शहर के आसपास भैंसा, सिद्धगुआं, गुणा, लहदरा, बम्होरी रेंगुआ, बदौना, पथरिया जाट, तिली बालक कॉम्प्लेक्स, बाघराज वार्ड में मोहन एनक्लेव, बाघराज आचरण ईको सिटी, अंबेडकर वार्ड, बम्होरी बीका में रेट बढ़ाए जा सकते हैं। मकरोनिया के वार्ड नंबर 1, 2, 3, 17, 18, भापेल, ईशरवारा, चितौरा, पटकुई, बरारू, जिंदा डूंगसरा, पथरिया जाट जबकि ग्रामीण क्षेत्र में सत्ता ढाना, नंदन वारा, महुना गुर्जर, पराशरी कला, जालंधर, कोलुआ, तिली माफी, पिपरिया, कनेरा देव, धर्मश्री, उदयपुरा, मढिया, पामाखेड़ी समेत खुरई, बीना, राहतगढ़, जैसीनगर, देवरी ब्लॉक के गांवों में जमीन की कीमतें बढ़ सकती हैं।

सिंहस्थ के कारण उज्जैन में जमीन खरीदी में उछाल

उज्जैन शहर में 70 लोकेशंस पर गाइडलाइन से अधिक कीमतों पर जमीन की खरीदी हो रही है। जिले में ऐसी लोकेशन का आंकड़ा 300 से ज्यादा है। सिंहस्थ 2028 के चलते यहां प्रॉपर्टी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

युवक का सिर फटा, आंख निकलकर दूर जा गिरी

- भोपाल में रोड एक्सीडेंट में दो मेडिकल स्टूडेंट की मौत; पेड़ से टकराई बाइक

भोपाल (नप्र)। भोपाल में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर पर लगे पेड़ से टकराकर 10 फीट दूर जा गिरी। हादसे में दो मेडिकल स्टूडेंट की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से एक युवक के सिर का हिस्सा धड़ से अलग हो गया। उसकी एक आंख उछलकर दूर जा गिरी। हादसा मंगलवार अल सुबह 3.15 बजे एयरपोर्ट रोड पर हुआ।

पुलिस के अनुसार दोनों छात्र बाइक पर तेज रफ्तार से जा रहे थे। मोड़ पर गाड़ी कंट्रोल नहीं कर पाने की वजह से हादसा हुआ। मृतक छात्र समर्थ पाटीदार (24) और रोमिल शाक्य (24) महावीर मेडिकल कॉलेज के फाइनल ईयर के छात्र थे।

ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे

गांधी नगर थाने से एएसआई प्रवीण सिंह बैस ने बताया कि छात्र समर्थ पाटीदार (24) पुत्र राकेश पाटीदार, बड़वानी का रहने वाला है। समर्थ के पिता किसान हैं। वहीं रोमिल शाक्य (24) के पिता बीपी शाक्य नर्मदा प्रोजेक्ट में सब इंजीनियर हैं। दोनों छात्र किसी ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे। दोनों एयरपोर्ट रोड से एयरोसिटी जाने वाली मुख्य सड़क पर आए। यहां से करीब डेढ़ किमी दूर एक मोड पर अलसुबह करीब 3:15 बजे हादसे के शिकार हो गए। वहां से गुजरने वाले किसी युवक ने हादसे की सूचना डायल-100 को दी। दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

ऐसे हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार हादसा इतना गंभीर था कि मोटर साइकिल सड़क किनारे लगे कनेर के पेड़ से टकराने के बाद फुटपाथ के दूसरी तरफ चली गई। गाड़ी रोमिल चला रहा था। वह फुटपाथ की दूसरी तरफ पड़ा मिला। हादसे में गाड़ी का हैंडल टू गया था। फुटपाथ पर टकराने के बाद गाड़ी करीब 10 फीट दूर जाकर गिरी।

सड़क पर रोज लगाते हैं रेस

एयरपोर्ट रोड की मुख्य सड़क की बात की जाए तो इस सड़क पर रोजाना मोटरसाइकिल सवार रात 1:00 बजे से सुबह 4:00 बजे तक रेस लगाते देखे जा सकते हैं। यह मोटरसाइकिल सवार एयरपोर्ट से लेकर रंगला ढाबा चौराहे तक रेस लगाते हैं।

ई-नगर पालिका के माध्यम से नागरिकों को मिलेगी त्वरित सेवा

- ई-नगर पालिका 2.0 के विकास की प्रक्रिया

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के उद्देश्य से वेब आधारित ई-नगर पालिका योजना प्रारंभ की गई है। यह परियोजना डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी एवं त्वरित नागरिक सेवा देने के लिये ई-गवर्नेंस का अनूठा उदाहरण है। ई-नगर पालिका द्वारा नगरीय निकायों द्वारा समस्त नागरिक सेवाओं, जन शिकायत सुविधा, निकायों की आंतरिक कार्य प्रणाली, समस्त भुगतान एवं बजट प्रक्रिया को एकीकृत कर ऑनालइन सुविधा प्रदाय की जा रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है।

22 नागरिक सेवाएं

ई-नगर पालिका 1.0 को डेटाबेस के साथ प्लेटफार्म पर विकसित किया गया। वर्तमान में ई-नगर पालिका के माध्यम से 22 नागरिक सेवाएं प्रदाय की जा रही हैं, इसमें 15 मॉड्यूल शामिल हैं। ई-नगर पालिका का विभिन्न विभागों जैसे उद्योग, राजस्व, पंजीयन विभाग और भारत सरकार के महत्वपूर्ण मोबाइल एप उमंग से भी एकीकृत किया गया है। ई-नगर पालिका 1.0 पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सभी नागरिक सेवाओं और विभागीय कार्यों को और बेहतर, सरल तथा सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से वर्तमान में विभाग द्वारा ई-नगर पालिका परियोजना के द्वितीय चरण का विकास, क्रियान्वयन और संचालन नई टेक्नोलॉजी एवं उपकरणों के अनुसार कराये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत 16 मॉड्यूल और 24 नागरिक सेवाएं शामिल होंगी। भौतिक संरचना को क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा। ई-नगर पालिका 2.0 में जीआईएस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी उपयोग किया जायेगा।

ई-नगर पालिका 2.0

कॉमन सर्विस सेंटर, एम ऑनलाइन, कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगर पालिका 2.0 का एकीकरण किया जायेगा। इससे जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं। ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल के विकास के लिये 2 वर्ष तथा 5 वर्ष का ओएंडएम चयनित वेंडर द्वारा किया जायेगा।

पटवारी बोले- बांधवगढ़ में हाथियों को जहर दिया गया

सिंघार का दावा- रिसोर्ट मालिक नहीं चाहते हाथी रहें; कमलनाथ ने मांगी सीबीआई जांच

भोपाल (नप्र)। बांधवगढ़ नेशनल पार्क में 10 हाथियों की मौत पर कांग्रेस, राज्य सरकार और वन मंत्री रामनिवास रावत पर हमलावर है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने हाथियों की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का दावा है कि हाथियों को जहर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने रिसॉर्ट संचालकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा, बांधवगढ़ नेशनल पार्क में 10 हाथियों की मृत्यु को करीब एक हफ्ता बीत चुका है, लेकिन दोषियों को पकड़ना तो दूर मध्यप्रदेश सरकार अब तक हाथियों की मृत्यु के कारण को भी स्पष्ट नहीं कर सकी है। यह अत्यंत चिंता का विषय है। एक तरफ तो वन्य जीवों का जीवन खतरे में है, दूसरी तरफ यह भी दिखाई देता है कि मध्यप्रदेश का वन विभाग, वन्य प्राणियों की रक्षा करने में पूरी तरह असमर्थ है। प्रदेश की जांच एजेंसियां या तो पूरी तरह अकर्मण्य हैं या फिर उनके पास इतनी सुविधा ही नहीं है कि वे हाथियों की मृत्यु की उचित जांच कर सकें।

सीबीआई या ज्यूडिशियल जांच हो: कमलनाथ ने आगे लिखा, मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव से अपील करता हूं कि वे 10 हाथियों की मृत्यु की या तो सीबीआई जांच कराएं या फिर न्यायिक जांच के आदेश दें। निष्पक्ष जांच न होने से वन्य प्राणियों के जीवन पर खतरा बना रहेगा और जो भी लोग इसके पीछे हैं, वे खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे, इस तरह के अपराधों को दोहराने की हिमाकत नहीं करेंगे। मैं आशा करता हूं कि मुख्यमंत्री मेरी इस मांग को गंभीरता से लेंगे और प्रदेश में वन्य जीवन की सुरक्षा की दृष्टि से इस दिशा में तत्काल कदम उठाएंगे।

पटवारी बोले- हाथियों को जहर दिया गया

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, दस हाथियों की मौत एक्सीडेंट नहीं था, उनको जहर दिया गया। मौत का कोई अभियुक्त है, तो वो सरकार और वन विभाग है। मतलब ये सरकारी हत्या है। ये तो पता चली मौतें हैं, हाथियों की इसके अलावा भी और मौत होती रहती हैं, जो पता नहीं चलती। वन्यजीवों को लेकर सरकार सिर्फ बजट पास करती है और उसका करप्शन करती है।

3 साल में 140 बाघों की मौतें हुईं: पटवारी ने कहा, इस साल 35 बाघ की मौतें हुई हैं, इससे पहले 45, उससे पहले 50 मौतें हुईं। 3 साल का आंकड़ा ये कहता है कि लगभग 140 के आसपास बाघों की मौत हो गई है। 140 बाघ कितनी बड़ी संख्या है। चीते लाए थे, उस पर 5000 करोड़ रुपए का ईवेंट किया। यहां का जो टाइगर स्टेट का दर्जा है, वो टाइगर जो हमारा मान बढ़ता है, वो टाइगर मर रहे हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स कामगार ट्रेड यूनियन का चरणबद्ध आंदोलन आज

भेल के स्पोर्ट्स क्लब को बचाने के लिए सड़क पर उतरेंगे कर्मचारी

भोपाल (नप्र)। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) अपना स्पोर्ट्स क्लब राज्य शासन को सौंपने की तैयारी कर रहा है। जिसकी खिलाफत शुरू हो गई है। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स कामगार ट्रेड यूनियन भेल भोपाल ने इस निर्णय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के नेता दीपक गुप्ता बताते हैं कि भेल प्रबंधन के इस निर्णय के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जा रहा है। जिसके पहले चरण में भेल के गेट नंबर-5 के सामने 6 नवंबर को जंगी द्वार सभा की जाएगी। गुप्ता ने बताया कि भेल कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए संचालित स्पोर्ट्स क्लब पर राज्य शासन के अफसरों की कुदृष्टि पड़ गई है। शासन के दबाव में भेल प्रबंधन भी स्पोर्ट्स क्लब को शासन को सौंपने को तैयार हो गया है। इसका भेल का प्रत्येक कर्मचारी विरोध कर रहा है।

वे कहते हैं कि स्पोर्ट्स क्लब आज भी भेल कर्मचारियों के वेतन से सदस्यता शुल्क लेकर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जंगी द्वार सभा में आंदोलन के अगले चरणों पर विचार कर घोषणा की जाएगी। गुप्ता कहते हैं कि भेल के कर्मचारी राज्य शासन के अधिकारियों के मंसूबों को कभी फलीभूत नहीं होने देंगे।

मनोज श्रीवास्तव को पितृशोक

भोपाल। पूर्व अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव के पिता रामदयाल श्रीवास्तव का मंगलवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भद्रा विश्राम घाट पर हुआ। स्व.रामदयाल की अंतिम यात्रा रामराज 3 पत्रिका सोसायट फेज 2 चुनाभट्ठी से निकली। अपने पिता के निधन पर मनोज श्रीवास्तव ने फेसबुक पर लिखा कि मैं गीता का दूसरा अध्याय पढ़ते हुए 25 वें श्लोक पर था कि वे चले गये। कार्तिक के शुक्ल पक्ष में उनका यह प्रस्थान हुआ है।

भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन ने ड्रग कंट्रोलर को लिखा पत्र

कहा-खाना डिलीवर करने वाली कंपनियां नहीं बेच सकती दवा

भोपाल (नप्र)। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन ने ड्रग कंट्रोलर को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनियों से 10 मिनट में मेडिसिन डिलीवर कराने के अनुबंध का विरोध जताया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया-खाना डिलीवर करने वाली कंपनियां दवा नहीं बेच सकती, क्योंकि उनका काम फूड चैन को मेंटेन रखना है। दवाओं का वितरण फॉर्मासिस्ट की देखरेख में ही हो सकता है। गलत दवा का वितरण सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। इसलिए ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विरोध किया जा रहा है। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन ने भी विरोध जताया है।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़ा खतरा हो सकता है: अध्यक्ष धाकड़ के अनुसार, एआईओसीडी ने भारत के डीसीजीआई को एक पत्र लिखकर कहा है कि यह कदम भारतीय कानून के तहत निर्धारित मानकों के खिलाफ है और इससे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े कई गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं।

सीहोर की बैंक डकैती में फरार आरोपी गिरफ्तार

- भोपाल की कटारा हिल्स पुलिस ने दबोचा, बिना वेरिफिकेशन मकान देने वाले मालिक पर भी केस

भोपाल (नप्र)। सीहोर की एक बैंक डकैती के मामले में सजा के बाद फरार दो बंदियों को कटारा हिल्स पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया। आरोपी पिछले दो सालों से फरारी काट रहे थे। मामले में पुलिस ने किराएदार का वेरिफिकेशन न कराने के आरोप में उनके मकान मालिक पर भी एफआईआर दर्ज की है। थाना प्रभारी बृजेंद्र निगम ने बताया कि दोनों की पहचान उत्तम गिरी और कमलेश कल्लू के रूप में हुई है। इनके खिलाफ कोर्ट से स्थायी वारंट है। 2015 में दोनों ने सीहोर में बैंक डकैती को अंजाम दिया था। इस मामले में दोनों को सजा हो चुकी है,

लेकिन यह फरार थे। दोनों पिछले 2 साल से रामायण फेज-1 में बने ईडब्ल्यूएस क्वार्टर में किराए पर रह रहे थे। यह क्वार्टर प्रहलाद सोनाले का है, जो अपने दूसरे मकान में रहता है। मकान किराए पर देने के बाद प्रहलाद ने किराएदारों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। इसलिए उस पर भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने कई खुलासे किए। एक भोपाल के ढाबे पर काम करता है जबकि दूसरा सब्जी का ठेला लगा रहा था। भोपाल से पहले दोनों ने मंडीदीप, औबेदुल्लागंज में भी फरारी काटी थी।

आरा मशीन की शिफ्टिंग नहीं, अटकेगा मेट्रो का काम

भोपाल में सुभाषनगर से करोंद तक दूसरा फेज; यहीं पर 108 आरा मशीनें

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज का काम आरा मशीनों की वजह से अटक गया है। आजाद नगर की कुल 108 आरा मशीनें शिफ्ट नहीं हो पाई हैं। जिस जगह ये शिफ्ट होनी है, वहां पानी, बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं नहीं है। इनके लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने टेंडर कॉल किए हैं। जिसमें एक महीने का वक्त लगेगा। ऐसे में अंडरग्राउंड लाइन के लिए मशीनें नहीं आ पाएंगी। बरखेड़ी फाटक से भारत टॉकीज तक मेट्रो के रूट पर 108 आरा मशीनें हैं। करीब 48 साल में इन मशीनों की शिफ्टिंग पर 50 से ज्यादा बार चर्चाएं हो चुकी हैं। 8 लोकेशन भी देखी जा चुकीं हैं। लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार छोटा रातीबड़ में 18 एकड़ जमीन अलॉट की गई। जहां साढ़े 5 करोड़ रुपए से सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं दी जाएगी।

डीपीआर बनी, टेंडर कॉल किए: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के महाप्रबंधक एच. खान ने बताया, डीपीआर और नक्शा तैयार हो गया है। सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाओं के लिए टेंडर कॉल किए हैं। इसमें एक महीने का समय लग सकता है। जैसे ही अप्रूवल मिलेगा, काम शुरू कर देंगे।

दो महीने पहले हो चुकी बैठकें

बता दें कि आरा मशीनों की शिफ्टिंग के लिए दो महीने पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह बैठकें कर चुके हैं। एक महीने में मशीनों को हटाने का टारगेट कलेक्टर ने दिया था, लेकिन ये अब तक नहीं हट सकी। इसलिए मेट्रो के दूसरे फेज का काम अटक जाएगा।

18 पक्की दुकानों को जोड़ने की डेटलाइन भी खत्म: दूसरे फेज में आड़े आ रही 18 पक्की दुकानों को तोड़ने की डेटलाइन भी खत्म हो गई है। दुकानों को 29 अक्टूबर तक हटाने की बात कही गई थी, लेकिन दिवाली का त्योहार और एसडीएम की अदला-बदली की वजह से निर्माण नहीं हट सका है।

इसलिए अतिक्रमण हटाने पर पूरा फोकस: मेट्रो का दूसरा फेज सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किमी है। यह काम भी दो हिस्से में होगा। दोनों पर कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

संपादकीय

क्रिकेट में हार : कठोर समीक्षा जरूरी

न्यूजीलैंड के साथ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की 0-3 से करारी हार ने देश तमाम क्रिकेट प्रेमियों को बुरी तरह निराश किया है। लगा ही नहीं कि यह वो टीम है, जो दो माह पहले टी-20 का वर्ल्ड कप अपने नाम कर चुकी है। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड ने तीनों टेस्ट मैचों में भारत को करारी मात देकर वो इतिहास रचा, जो 94 साल में भी नहीं हुआ था। अफसोस की बात यह है कि वो भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के स्पिनरों के आगे बेबस नजर आई, जिसके बारे में अमूमन माना जाता है कि हमारे खिलाड़ी स्पिनरों को खेलने में माहिर हैं। इससे भी बढ़कर सवाल टीम के उन वरिष्ठ और स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर उठने लगे हैं, जिनसे बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा थी। इनमें विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा शामिल हैं। अपने ही घर में एक विदेशी टीम के हाथों तगड़ी हार के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन और प्रतिबद्धता को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि टीम के चार वरिष्ठ खिलाड़ियों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज आखिरी हो सकती है। इस संभावित खिलाड़ियों में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन शामिल हैं। इस सीरीज पर भारतीय टीम के परफार्मेंस पर नजर डालें तो बेंगलुरु में पहले टेस्ट में भारत को तेज़ गेंदबाज़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा। जबकि पुणे और मुंबई में दूसरे, तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड के स्पिन अटैक के आगे टीम रोहित ने घुटने टेक दिए। भारतीय बल्लेबाज़ विपक्षी गेंदबाज़ी आक्रमण के सामने बेहाल दिखे जबकि भारतीय स्पिन गेंदबाज़ श्रृंखला के दौरान कीवी बल्लेबाज़ों के सामने ख़तरा पैदा करने में नाकाम रहे। छह पारियों में केवल 2 बार, भारत 200 रन के आंकड़े को पार कर पाया। न्यूज़ीलैंड ने बेंगलुरु में सिरीज़ के शुरुआती दिन से ही भारत पर दबाव बनाए रखा। क्रिकेट समीक्षक भारतीय टीम की इस शर्मनाक पराजय के पीछे पांच कारण मान रहे हैं। ये हैं- भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का टॉस हारना, ओपनर्स के बीच कोई बड़ी साझेदारी नहीं होना, विराट और रोहित का फ्लॉप शो, मध्य क्रम के बल्लेबाजों का भी बुरी तरह नाकाम रहना तथा टीम में खिलाड़ियों का खराब सिलेक्शन। भारतीय एक टेस्ट में 147 रन भी नहीं बना सकी। भारतीय टीम के हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने माना कि हमसे कई गलतियां हुईं। लेकिन सवाल यह है कि इन गलतियों के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या वो समय आ गया है, जब भारतीय टीम के नेतृत्व में परिवर्तन और सीनियर खिलाड़ियों को रिटायरमेंट दिया जाना चाहिए। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों पर यह आरोप तो पहले से लगता रहा है कि उनका ध्यान खेल से ज्यादा पैसे कमाने पर रहता है। अगर वो पैसा बना रहे हैं तो देश के प्रति भी उनकी कोई जिम्मेदारी है, इसे कैसे नजर अंदाज किया जा सकता है। मदनलाल जैसे पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि टीम के सीनियर खिलाड़ियों की घरेलू क्रिकेट में रूचि कम होती जा रही है। वो केवल अंतराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेलते हैं। जिसका विपरीत असर उनके प्रदर्शन पर हो रहा है। टीम के चारों वरिष्ठ खिलाड़ी चाहते तो दिलीप ट्रॉफी में खेल सकते थे, लेकिन उन्होंने उससे दूरी बनाए रखी। भारतीय टीम की इस हार से भारत के सामने डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल के लिए क्वॉलिफ़ाई करने के लिए बॉर्डर गावस्कर-ट्रॉफ़ी में ऑस्ट्रेलिया के 4-0 से हराने की बड़ी चुनौती है। लेकिन भारत की इस हार के साथ ही उसके फाइनल में पहुंचने की उम्मीद भी लगभग खत्म हो गई हैं।

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटो, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है।

निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ-साथ कनाडा के लिए भी

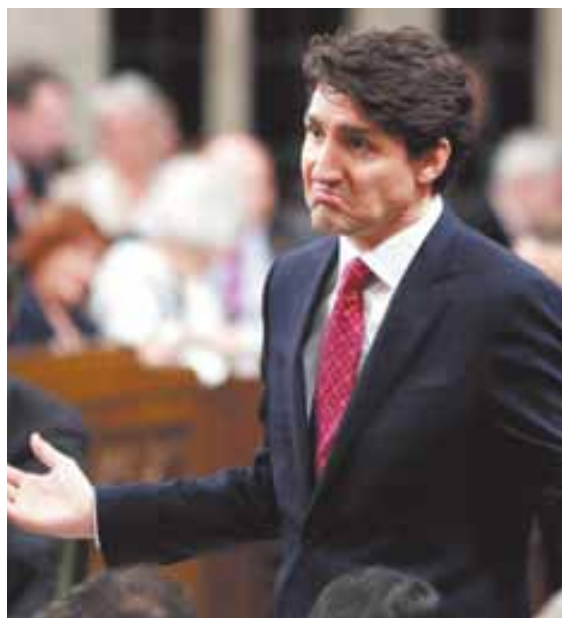

खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है।

गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ओंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो-निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर-शोर से पाला-पोसा जा रहा है। मामला सिर्फ इतना नहीं है, कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ होने दे रहा है, तो इस पर पूरी विश्व बिरादरी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम सीमा पार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तानी दंश को लंबे अरसे से भोगते रहे हैं और अब कनाडा में जो हो रहा है, वह भी एक तरह से सीमा पार अलगाववाद फैलाना ही है। भारत को कनाडा के साथ अमेरिका के रवैये पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू को खुले तौर पर संरक्षण दे रहा है। भारत के खिलाफ विदेश की धरती से हो रहे इन षड्यंत्रों एवं साजिशों को गंभीरता से लेना होगा।

पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। इस नतीजे पर पहुंचने का एक कारण यह भी है कि कनाडा के साथ अमेरिका की भी नागरिकता लिए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कुछ दिनों पहले यह धमकी दी थी कि कनाडा के हिंदुओं को दीवाली नहीं मनाने दी जाएगी। इस धमकी के बाद भी यदि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू मंदिर में धावा बोलने आ गए तो इसका यही मतलब निकलता है कि कनाडा सरकार का उन पर लगाम लगाने का कोई इरादा नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वहां के प्रमुख विपक्षी दल के नेता ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाए जाने की निंदा की, लेकिन इनमें से किसी ने भी खालिस्तान समर्थकों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं समझा, इससे स्पष्ट है कि कनाडा सरकार खालिस्तानियों को खुला समर्थन कर रही है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए भारत सरकार पर अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। कनाडा सरकार इसके कोई ठोस प्रमाण न देकर खुद को ही हंसी का पात्र बनाया।

खालिस्तान समर्थक अतिवादी तत्वों ने हिंदू मंदिर परिसर में भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक शिविर को भी निशाने पर लिया। इस शिविर में बड़ी संख्या में सिख भी मौजूद थे। साफ है कि खालिस्तान समर्थक कनाडा में रह रहे हिंदुओं के साथ सिखों के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने जिस हिंदू मंदिर को निशाना बनाया, उसमें सिख भी आते हैं। इन सभी जगहों पर भारतीय उच्चायोग ने पेंशन पाने वाले भारतीयों को जीवन प्रमाणपत्र बांटने के लिए शिविरों का आयोजन किया था। कनाडा में इस तरह के शिविर लगाने की परंपरा पुरानी है। कनाडा में कई बार मंदिरों की दीवारों पर भारत विरोधी नारे भी लिखे जा चुके हैं।

खालिस्तानियों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं होने से उनका दुस्साहस बढ़ रहा है। भारत को इसके लिए तैयार रहना चाहिए कि कनाडा में भारतीय मूल के लोगों और धार्मिक स्थलों को खालिस्तानी अतिवादी तत्वों की ओर से आगे भी निशाना बनाया जा सकता है, क्योंकि वहां कुछ माह बाद आम चुनाव होने हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि इन चुनावों में अपनी राजनीतिक दशा सुधारने के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक विघटनकारी खेल खेल रहे हैं। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई देश उस अतिवाद को कैसे पलने दे सकता है। ऐसी अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कार्रवाई से जस्टिन ट्रूडो की सरकार का संकट ही बढ़ेगा और वे और उनके दल का अगले चुनाव में सफाया हो जाने की पूरी आशंका है।

विश्व राजनीति

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इजराइल- इस कद्र बेलगाम

फ़िलिस्तीन से लेकर लेबनान तक इज़राईली सैन्य आतंक निरंतर अपना क़हर बरपा कर रहा है। अपने हथियारों और ताक़त के नशे में चूर अमेरिका संरक्षित इज़राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्धोन्माद में इतने अंधे हो चुके हैं कि उन्होंने न केवल युद्ध के सभी नियमों,नीतियों व सिद्धांतों को किनारे रख दिया है बल्कि वे दुनिया के उन देशों की भी परवाह नहीं कर रहे जो वर्तमान युद्ध में समय समय पर इजराइल को आइना दिखाने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि नेतन्याहू किसी सलाह देने वाले देश या उसके नेता को भी बड़ी आसानी से अपने दुश्मनों की लाइन में खड़ा कर देते हैं। यहाँ तक कि किसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था या संगठन की आलोचना या सलाह की भी परवाह नहीं करते। और नेतन्याहू के इसी ज़िद्दी स्वभाव ने हालात अब यहाँ तक पहुंचा दिए हैं कि अब इज़राइली सेना यानी आईडीएफ भी अब नेतन्याहू की मानवता विरोधी युद्ध नीति से ऊब चुकी है और ग़ज़ा व लेबनान में और अधिक खून की होली खेलने के बजाये इन दोनों ही जगहों पर अब युद्ध विराम करने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर दबाव बनाना शुरू कर चुकी है। ग़ौर तलब है कि ग़ज़ा व लेबनान में भारी नरसंहार का कलंक झेल रही आईडीएफ़ पहले भी युद्ध से बाहर निकलने व युद्ध विराम करने की पक्षधर रही है परन्तु हर बार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के युद्धोन्माद व उनकी ज़िद व प्रतिशोधात्मक रवैय्ये के चलते अब तक युद्ध विराम संभव नहीं हो सका है।

ग़ौरतलब है कि वर्तमान इज़राइल-हमास युद्ध गत वर्ष यानी 7 अक्टूबर 2023 को उस समय शुरू हुआ था जब हमास के लड़ाकों ने इज़राइली नागरिक समुदायों और कई इज़राईली सैन्य ठिकानों पर अचानक एक बड़ा हमला कर दिया। इस हमले के दौरान 1,195 इज़रायली सहित अनेक विदेशी नागरिक भी मारे गए थे ।इसके अलावा, 251 इज़रायली और विदेशियों को गाज़ा में बंदी बना लिया गया। हमास इस हमले से इजराइल पर यह दबाव बनाना चाहता था कि इज़राइल की जेलों में बंद फ़िलिस्तीनी क़ैदियों व बंदियों को रिहा कराया जा सके। इज़राईल पर हमास द्वारा किया गया यह हमला फ़िलिस्तीन पर इज़राइल के निरंतर क़ब्ज़े , ग़ज़ा की नाकेबंदी, इज़राईली बस्तियों के अनाधिकृत विस्तार, इज़राइल द्वारा लगातार की जा रही अंतरराष्ट्रीय क़ानून के अवहेलना, साथ ही अल-अक्सा मस्जिद और फ़िलिस्तीनियों की सामान्य दुर्दशा के जवाब में भी था। परन्तु इज़राईल ने 7 अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के जवाब में 27 अक्टूबर से हमास पर पहले हवाई फिर ज़मीनी हमले करना शुरू कर दिया। इस इज़राईली सैन्य कार्रवाई का मक़सद हमास का सफ़ाया करने के साथ साथ इज़राईली बंधकों को मुक्त कराना भी था। परन्तु 13 महीने

से इज़राइल द्वारा किये जा रहे अब तक के सबसे बड़े नरसंहार के बावजूद इज़राइल अभी तक अपने दोनों में से किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर सका है। न ही हमास का ख़ात्मा हो सका न ही 251 में से शेष बचे 101 बंधकों को हमास के चंगुल से रिहा करवा सका। जबकि युद्धोन्माद में डूबे प्रधानमंत्री नेतन्याहू के इशारों पर की जा रही विनाशकारी बमबारी में अब तक ग़ज़ा में 40,000 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिन में अधिकांश महिलाएं व बच्चे हैं। लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। इसके अलावा इज़रायल की कड़ी नाकाबंदी ने ग़ज़ा में जारी बुनियादी ज़रूरी सामग्री की आपूर्ति चेन को भी काट दिया है। हद तो यह है कि इजराइली सेना ने ग़ज़ा के बुनियादी ढांचों पर हमले कर वहां की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सहित सभी आवश्यक सेवाओं को भी नष्ट कर दिया है। स्कूल,शरणार्थी शिविर,मीडिया,अस्पताल,बाज़ार यहाँ तक कि युद्ध प्रभावित लोगों को सहायता पहुँचाने वाले अंतराष्ट्रीय संगठनों के लोगों को भी आई डी एफ़ द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।

अर्थात् इज़राइल द्वारा हमास के ख़ात्मे और उसके क़ब्ज़े में मौजूद बंधकों की रिहाई के नाम पर हर वह अत्याचार किया जा रहा है जोकि अंतर्राष्ट्रीय युद्ध मानकों का सरासर उल्लंघन है। और जब कोई इज़राइल या अमेरिका का सहयोगी देश नेतन्याहू को आईना दिखने की कोशिश करता है तो नेतन्याहू उसे अपमानित करने या खरी खोटी सुनाने में भी देर नहीं लगाते। उदाहरण के तौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने ग़ज़ा में इज़राईल द्वारा किये जा रहे जनसंहार से ऊब कर जब गत 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राईल पर किए गए हमले की पहली वर्षगांठ से पूर्व यह कहा है कि -युद्धरत पक्षों के बीच 'राजनीतिक समाधान' तक पहुंचने के लिए इज़राइल को हथियार देना बंद करना ज़रूरी है। उन्होंने जब यह कहा कि - 'मुझे लगता है कि आज प्राथमिकता यह है कि हम एक राजनीतिक समाधान पर लौटें। हम गाज़ा में लड़ने के लिए हथियार देना बंद करें।' तो नेतन्याहू को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन की यह सलाह इतनी नागवार गुज़री कि वे मैक्रोन से ख़फ़ा हो गए। और उन्होंने मैक्रोन को उल्टी सीधी सुना डाली। नेतन्याहू ने मैक्रोन के बयान को अपमानजनक बताते हुये कहा कि- 'राष्ट्रपति मैक्रोन और अन्य पश्चिमी नेता अब इज़राईल के ख़िलाफ़ हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान कर रहे हैं। उन पर शर्म आनी चाहिए।' यहूदी राष्ट्र उनके समर्थन के साथ या बिना जंग जीतेगा। युद्ध जीतने के बाद उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। यही नहीं बल्कि इज़राईली मीडिया ने अपने एक कार्टून में राष्ट्रपति मैक्रोन को हसन नसरुल्लाह का अगला उत्तराधिकारी तक बता दिया।

इसी तरह कभी संयुक्त राष्ट्र संघ की शीर्ष अदालत, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय इज़राइल को लेकर यह कहती है कि फ़िलिस्तीनी क़ब्ज़े वाले क्षेत्रों में इज़राइल की मौजूदगी ग़ैर क़ानूनी है, इसे समाप्त किया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय कहता है कि इज़राइल द्वारा पश्चिमी तट और यरुशलम में बसने वालों का स्थानांतरण तथा इज़राइल द्वारा उनकी उपस्थिति बनाए रखना, चौथी जिनेवा संधि के अनुच्छेद 49 के विपरीत है। इतना ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय अदालत इस बात के लिये भी गंभीर रूप से चिंतित है कि इज़राइल द्वारा इस क्षेत्र में अपनी नई बस्ती बसाने की नीति का विस्तार किया जा रहा है। इसी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दक्षिण अफ्रीक़ा ने यह दावा भी किया है कि ग़ाज़ा में इज़राइल का अभियान 'नरसंहार' के बराबर है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र संघ भी इज़राइल के युद्ध अभियान की आलोचना कर चुका है। परन्तु हमास सहित अपने सभी प्रतिद्वंदियों को आतंकवाद की धुरी बताकर प्रतिशोध की आग में जलता इज़राइल अपने हथियारों व अमेरिकी सरपरस्ती के बल पर आख़िर ख़ुद कितना आतंक फैला रहा है ? पूरा विश्व इस बात को लेकर आश्चर्यचकित है कि बड़े अंतराष्ट्रीय विरोध का सामना करने के बावजूद आख़िर इस्राईल, इस क़द्र बेलगाम क्यों है ?

आदमी और आदमी का रंग

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

यह बहस का विषय हो सकता है कि आदमी को एक ही रंग में रंगा हुआ होना चाहिए, या कि उसका बहुरंगी होना जरूरी है? इन दिनों अलग-अलग रंग में रंगे आदमी अलग-अलग रंग के लोगों के मानस पटल पर राज करने लगे हैं। वैसे तो कोई रंग बुरा नहीं होता, लेकिन जहां तक काले रंग का सवाल है, वह रंग भी अंधेरी दुनिया का प्रतिनिधित्व करता दिखाई देता है। और यूं भी तो प्रकृति की लीला में पूर्णिमा की चांदनी और अमावस का घनघोर अंधेरा हुआ करता है। जब तक हम अंधेरे से परिचित नहीं होते तब तक उजाले की महत्ता को नहीं समझ सकते। इन दिनों तो भाई लोगों ने अलग-अलग रंग की पैरवी करना, अपना-अपना परम धर्म समझ लिया है।

आदमी इस मानव की दुनिया में किस रंग से रंगा हुआ आएगा ? यह तो किसी के भी बस में नहीं है। वैसे चलन में तो यही है कि जिस रंग के माध्यम से उसका इस मानव की दुनिया में अवतरण हुआ है, उसे उस रंग का मान लिया जाएगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि ऊपर वाले ने तो सभी को एक ही रंग का बनाकर भेजा है। अब यह अलग बात है कि प्राकृतिक कारणों से आदमी अलग-अलग रंग का दिखाई देने लगता है। इस पर तो किसी का जोर नहीं। लेकिन यह जात-पात और रस्मों रिवाज की भिन्नता ही वह कारण है कि आदमी की मान्यता को अलग-अलग रंग से रंगी हुई मान लिया जाता है। अब उसे जो परिवेश मिलता है, आदमी उसी रंग से रंगता चला जाता है।

आदमी का रंग उसके आचरण और व्यवहार से स्पष्ट तौर पर झलकने लगता है। किसी किसी पर रंग इतना पक्का होता है कि उसे फिर कोई दूसरा रंग सुहाता ही नहीं है। कभी-कभी तो अन्य रंगों को बर्दाश्त भी नहीं कर पाता। एक प्रकार से अन्य रंगों से उसे गहरी चिढ़ सी हो जाती है। और तो और वह उसके विरोध में भी उठ खड़ा होता है। नतीजतन वह मानव में दानव दिखाई देने लगता है। वैसे कोई भी रंग अपने ही रंग में चाहे जितना रंगा जाए, अलग-अलग रंगों में द्वंद्व नहीं होना चाहिए। लेकिन अलग-अलग रंगधारियों में प्रतिस्पर्धा की भावना घर कर जाती है। और उस पर सियासत का रंग कुछ ऐसा चढ़ता है कि कभी-कभी कोई-कोई रंग एक दूसरे के अस्तित्व को मिटाने को आतुर हो जाता है।

कुछ एक के रंग ऐसे होते हैं जिन पर अलग-अलग रंग चढ़ा होता है। सुविधा की दृष्टि से इन्हें बहुरंगी करार दिया जा सकता है। वैसे कुछ ऐसे भी होते हैं जिन पर कोई रंग नहीं होता है। ये बड़े आराम से अलग-अलग रंग का परस्पर द्वंद्व का जायजा लिया करते हैं। एक प्रकार से ये तटस्थ होते हैं। इसके चलते कभी-कभी ये अपने हमरंग की आंखों में खटकने भी लगा करते हैं। खैर, यह भी बहस का विषय हो सकता है कि क्या दुनिया में हर किसी का किसी रंग में रंगा हुआ होना जरूरी है? कुछ एक का ऐसा मानना है कि आदमी का किसी न किसी रंग में रंगा हुआ होना जरूरी है, इसके चलते वह स्वयं को सुरक्षा कवच के दायरे में पा सकता है। अन्यथा फिर वह न इधर का रह पाएगा न उधर का।

इन तमाम संदर्भों में असल सवाल यह है कि क्या हम किसी एक ही रंग से बंधे होकर प्रकृति के रंग में ढल क्यों नहीं जाते? दरअसल हमने अपने अहम को इतना विकसित कर लिया है कि इसकी पूर्ति हेतु हम हाथ आया कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहते। अब यदि और भी अधिक गहराई में उतरा जाए तो हजार बात की एक ही बात निकल कर आती है कि जैसे-जैसे हम आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं वैसे-वैसे हमारा जंगलीपन भी उभर कर सामने आने लगा है। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि बनाने वाले ने इस धरा पर हमें पंचेंद्रीय जीव के रूप में भेजा है। हमने ही तो ऐसे भव्य जीव को अलग-अलग रंग का मान लिया है।

यहां तक तो ठीक है,लेकिन किसी पर कोई रंग इतना चढ़ जाएगा कि वह दूसरे रंग का शत्रु बन जाए, शायद यह कल्पना तो ऊपर वाले ने नहीं की होगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दाल-बाटी और पार्टी का एजेंडा

के बी साहब अभी-अभी नेता हुए। उन्हें पता ही नहीं कि उनके भीतर ये नेता नाम का जीव कब घुसा, लेकिन इतना तो तय है कि उन्होंने नेता होने के लिए खूब हाथ-पैर मारे हैं। ऐसा करते-करते उनका एक हाथ और पैर रह गया। अब वे स्टिक के सहारे नेतागिरी में अपने हाथ आजमा रहे हैं। केबी साहब को जब से नेता होने का आभास हुआ है तब से वे पार्टी के लिए काफी धीर-गंभीर हो गए हैं। कभी-कभी तो वे इतने गंभीर हो जाते हैं कि उन्हें पार्टी मुख्यालय के गहन कक्ष समर्पित कर दिया जाता है। उनके नाम के आगे लगा वरिष्ठ शब्द उन्हें ऑक्सीजन देता है और वे इस प्राण वायु से तरोताजा भी रहने लगे हैं।

अरे! आप सोच रहे होंगे कि ये केबी नाम क्या बला है। वैसे बता दूं कि कृष्ण बिहारी को हर काम शॉर्ट में करने की आदत है। एक बार वे प्राण साहब की कोई मूवी देख आए। जिसमें विलेन का नाम जेडी था। बस तब से ही वे कृष्ण बिहारी से केबी हो गए और उन्होंने दूसरों से कृष्ण नाम के उच्चारण से मिलने वाला पुण्य भी छीन लिया। वह नहीं चाहते थे कि कोई उन्हें इस नाम से पुकारे। वैसे केबी दिल के बहुत साफ हैं। बोलचाल में नम्रता और व्यवहार में विनम्रता कूट-कूट के भरी है। इसी कारण पार्टी ने उन्हें नेता होने का सौभाग्य प्रदान कर मुख्यालय प्रमुख बना दिया। अब वे कार्यकर्ताओं से लेकर लीडर तक से सम्मान पाने लगे। एक बात और स्पष्ट कर देना केबी के साथ न्याय होगा कि नेता होने और लीडर होने में बहुत बड़ा फर्क है। नेता जीवन भर केवल नेतागिरी करता है और लीडर विदेश यात्राएं। केबी साहब को एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। वे पार्टी का एजेंडा बनाएं। चुनाव की घोषणा हो गई है। वैसे चुनाव देश में उस बिन मौसम बारिश की तरह है जो अपने तय समय से भी आगे जाकर लोगों की दिवाली खराब करने में संकोच नहीं करती। जितना वो मौसम में नहीं बरसती उससे अधिक तो बिन मौसम में बरस जाती है। खैर, केबी साहब पार्टी का एजेंडा बनाने में व्यस्त हो गए।

उधर, पार्टी का एजेंडा बन रहा था तो पार्टी कार्यालय के एक विशेष कोने से धुआं उठता देख केबी थोड़ा रुके और वहां जाकर देखा तो वहां बड़ा सा कंडों का जगरा लगा हुआ है। कंडों पर बाटी सेंकते युवा नेताओं से पूछा- यह क्या हो रहा है। युवा नेता बोले- आज दाल बाटी का प्रोग्राम है। चुनावी अभियान का श्रीगणेश हमारे यहां इसी से होता है। केबी ने युवा नेताओं को हिदायत दी कि दाल अच्छी किस्म की इस्तेमाल करना। ठीक वैसे ही जैसे एजेंडे में लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं। छोंक भी ठीक-ठाक लगाना वैसे ही जैसे वादों का तड़का लगाया जाता है और हां बाटी का आकार गोल होना चाहिए। ठीक वैसा ही जैसा भाषणों में हमारे लीडर बात को गोलमोल कर देते हैं। अरे! हां चटनी तो वैसे ही बननी चाहिए जैसे कि जनता की बनाई जाती है। जो स्वाद में लजीज होती है और नेताओं और लीडरों की जुबान की लार को ठंडी कर सके। नमक का मिश्रण बराबर रखना जैसे वोटिंग से पहले लोगों को उपहार मिलते हैं। उधर, केबी एजेंडा बना रहे थे और इधर दाल बाटी बनकर तैयार थी। पार्टी का एजेंडा बनकर रेडी था और वहीं धधकते अंगारों पर बाटी तो अपने स्वरूप में आ गई। केबी अब परफेक्ट नेता हो गए। उनका एजेंडा पास हो गया। पार्टी चुनाव जीत गई और वे वरिष्ठ नेता से सीनियर लीडर हो गए।

छठ पूजा विशेष

चेतनादित्य आलोक

लेखक पत्रकार हैं।

संपूर्ण विश्व में है सूर्योपासना की परंपरा

भारतीय संस्कृति में उद्भव काल से ही सूर्योपासना का बड़ा महत्व रहा है। ऋग्वैदिक युग में भगवान सूर्य को जीवों की चराचर आत्मा मानकर उनकी उपासना की जाती थी। आज भी हिंदुओं के सारे तीज-त्योहार सूर्य के संवत्सर चक्र के अनुसार ही मनाए जाते हैं। गौरतलब है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी भरत राजाओं का यह मुख्य पर्व था। मगध और आनर्त प्रदेशों के राजनीतिक इतिहास के साथ भी छठ-पूजा की ऐतिहासिक कडियां जुड़ी हुई हैं। वैसे उत्तराखंड का उत्तरायण पर्व, केरल का ओणम, कर्नाटक की रथ-सप्तमी तथा बिहार का छठ महापर्व मूलतः सूर्य-संस्कृति की उपासना के द्योतक हैं। चार दिनों तक चलने वाले छठ-पूजा का आयोजन तब होता है, जब भगवान श्री सूर्य नारायण दक्षिणायन होते हैं।

प्रत्येक वर्ष आने वाले चातुर्मास यानी देवशयनी एकादशी से लेकर देवोत्थान अथवा प्रबोधिनी एकादशी तक सनातन धर्म को मानने वाले परिवारों में अनेक पर्व-त्योहारों का आयोजन किया जाता है। श्री गणेश चतुर्थी से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा अथवा त्रिपुरी पूर्णिमा तक पर्व-त्योहारों का जो क्रम चलता रहता है, उसमें गणपति-पूजा के अतिरिक्त पितृपक्ष, दशहरा, शरद पूर्णिमा, दिवाली, छठ पूजा, प्रबोधिनी एकादशी, तुलसी विवाह और त्रिपुरी पूर्णिमा आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। आस्था और भक्ति का भव्य श्रृंगार स्वरूप छठ महापर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष में मनाया जाने वाला चातुर्मास का अंतिम त्योहार है, क्योंकि इसके बाद प्रबोधिनी एकादशी के साथ चातुर्मास-काल समाप्त हो जाता है। इसके पहले दिन 'नहाय खाय' में व्रती नहा-धोकर शुद्ध-सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन 'खरना' में व्रतधारी दिन भर उपवास करके छठी माई का पूजन कर गुड़ से बनी खीर एवं पूरी या रोटी का प्रसाद स्वयं भी ग्रहण करते हैं और श्रद्धालुओं में भी वितरित करते हैं। तीसरे दिन 'पहला अर्घ्य' होता है, जब व्रतधारी जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी भगवान श्री सूर्य नारायण को अर्घ्य देते हैं। चौथे दिन 'दूसरा अर्घ्य' होता है, जब उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती श्रद्धालुओं में ठेकुआ, फल, सब्जियां, ईख इत्यादि का प्रसाद वितरित करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठ-पूजा को श्रद्धापूर्वक करने से सुख-समृद्धि एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है। इस वर्ष यह 5 से 8 नवंबर तक मनाया जाएगा।

भारतीय संस्कृति में सूर्योपासना का महत्व

भारतीय संस्कृति में उद्भव काल से ही सूर्योपासना का बड़ा महत्व रहा है। ऋग्वैदिक युग में भगवान सूर्य को जीवों की चराचर आत्मा मानकर उनकी उपासना की जाती थी। आज भी हिंदुओं के सारे तीज-त्योहार सूर्य के संवत्सर चक्र के अनुसार ही मनाए जाते हैं। गौरतलब है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी भरत राजाओं का यह मुख्य पर्व था। मगध और आनर्त प्रदेशों के राजनीतिक इतिहास के साथ भी छठ-पूजा की ऐतिहासिक कडियां जुड़ी हुई हैं। वैसे उत्तराखंड का उत्तरायण पर्व, केरल का ओणम, कर्नाटक की रथ-सप्तमी तथा बिहार का छठ महापर्व मूलतः सूर्य-संस्कृति की उपासना के द्योतक हैं। चार दिनों तक चलने वाले छठ-पूजा का आयोजन तब होता है, जब भगवान श्री सूर्य नारायण दक्षिणायन होते हैं।

देवी पूजन का प्राधान्य

छठ-पूजा चातुर्मास-काल में देवी पूजन का अंतिम अवसर होता है। वैसे इससे पूर्व दशहरा में मां दुर्गा और दिवाली में माता लक्ष्मी और मां काली की पूजा-आराधना का विधान है। चातुर्मास-काल में हिन्दू संस्कृति में देवी-प्राधान्य व्रतों और पर्वों की अधिकता इसलिए होती है, क्योंकि यह काल देवताओं के लिए शयन का होता है। इस काल में दानवी उत्पातों से रक्षार्थ और भक्तों के सर्वमंगलार्थ देवियां प्रकट होती हैं- कभी सरल, सहज रूप में माधूर्य लिए तो कभी अत्यंत ही विकट और रौद्र रूप में अस्त्र-शस्त्रों से पूर्णतः सुसज्जित होकर।

भक्ति, श्रद्धा, शुद्धता और पवित्रता का महापर्व

छठ-पूजा हमारी उदाश्र परंपराओं और महान संस्कृति की झांकी प्रस्तुत करने वाला महापर्व है। इसे करने के लिए न तो मंदिर का होना अनिवार्य है, और न ही किसी पंडित अथवा कर्मकान्ड की आवश्यकता होती है। छठ महापर्व को करने का कोई गूढ़ विधि-विधान भी नहीं है, लेकिन इसके लिए जो सर्वाधिक जरूरी होता है, वह है श्रद्धा, शुद्धता और पवित्रता, जिनके बिना इस महापर्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यही कारण है कि छठ-पूजा में प्रयुक्त होने वाली सारी वस्तुएं शुद्ध और सात्विक होती हैं। इस महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे एक निर्धनतम व्यक्ति भी कर सकता है और धनाढ्य भी। यहां तक कि धन के अभाव में कई लोग भिक्षा मांग कर भी यह व्रत करते हैं। हालांकि वास्तव में जरूरत उसकी भी नहीं होती। इसीलिए कई लोग केवल श्रद्धाभाव के साथ जल में उतर सूर्य भगवान की ओर मुख कर अन्य व्रतियों से पहले खड़े होते हैं और जब सभी व्रती अर्घ्य दे और पूजा कर जल से बाहर आ जाते हैं, तब वे जल से निकलते हैं। छठ महापर्व की इस विधि को 'संकष्टी छठ' के नाम से जाना जाता है। वहीं, इस व्रत में कई लोगों के लिए भिक्षा मांगने का तात्पर्य बिल्कुल ही सरल और सहज होना, यानी न किसी से बड़ा, न धनी, न बलवान, न बुद्धिमान, न गौरवशाली, और न ही सम्मानित होना होता है। अर्थात् व्रती किसी भी प्रकार की विशिष्टता को धारण नहीं करता है। भक्ति के उत्कर्ष की यही तो पहचान है, जो इस महापर्व की विशेषता भी है।

सूर्योपासना की परंपरा संपूर्ण विश्व में

सूर्य भगवान की उपासना का स्रोत भारतवर्ष रहा है। हमारे श्रृषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त सूर्योपासना का यह अनुपम लोकपर्व आरंभ में मुख्य रूप से बिहार, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता था, परंतु अब यह विराट् रूप ले चुका है, जिसके मानने और मनाने वाले संपूर्ण विश्व में पाए जाते हैं। वैसे भगवान सूर्य की उपासना की परंपरा किसी-न-किसी रूप में दुनिया भर की सभ्यताओं और संस्कृतियों में रही है। मान्यता है कि सिकंदर के अभियानों के पश्चात् सीरिया में सूर्य-पूजा प्रारंभ हुई, जिसका प्रभाव पड़ोसी देश ईरान पर भी पड़ा। तत्पश्चात् ईरान से होते हुए सूर्योपासना की परंपरा रोम तक पहुंची।

यूनान

भारत के बाद यूनान में सूर्य पूजा को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। यूनान के दार्शनिक प्लेटो ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'रिपब्लिक' में सूर्य यानी 'हेलियोस' की पूजा की महिमा का गुणगान किया है। यूनानी मान्यतानुसार हेलियोस घोड़े पर विराजमान रहते हैं और उनके घोड़े से आग के समान ज्वालाएं निकलती रहती हैं। एक बार हेलियोस के पुत्र फेथॉन उनका रथ लेकर भ्रमण पर निकला, परंतु वह उसे संभाल नहीं सका और संतुलन खोने के कारण संपूर्ण पृथ्वी में आग लग गई। उसके बाद अंतरिक्ष के देवता जियोस ने तुरंत वज्रपात कर फेथॉन का वध किया और पृथ्वी को नष्ट होने से बचा लिया। यूनानी गाथाओं के अनुसार भगवान 'सोल' भी सूर्य के ही सूचक हैं और हेलियोस के समतुल्य हैं।

जापान

जापानी गाथाओं के अनुसार सूर्य एक माता के रूप में पूजे जाते हैं। सूर्य यानी 'अमतेरासू' संपूर्ण ब्रह्माण्ड की देवी 'ओमिकानी' हैं। जापान के होनशू द्वीप पर अमतेरासू-ओमिकानी के मंदिर भी पाए जाते हैं, जहां पर हमारे देश में लगने वाले कुंभ मेले की भांति प्रत्येक 20 वर्ष के बाद एक मेला लगता है, जिसे 'सिखिन सेंगू' कहते हैं। उक्त अवसर पर जापानी लोग अमतेरासू-ओमिकानी यानी सूर्य देवी की पूजा भी करते हैं। प्राचीन जापानी मान्यताओं के अनुसार जापान का सम्राट सूर्य का वाहक होता है। यही कारण है कि वहां की प्रजा अपने सम्राट में अपार श्रद्धा रखती है।

अमेरिका

अमेरिकी गाथाओं के अनुसार विश्व भर में कई युगों तक अंधकार छाया रहा था, जिसके कारण पृथ्वी पर जीवन असंभव था। उस काल में सूर्यदेव स्वर्ग में निवास करते थे। मध्य अमेरिकी देशों के मूल निवासियों (आजटेक) लोगों ने विश्व के कल्याणार्थ अपने प्राणों की बलि देकर सूर्यदेव को प्रसन्न किया। उसके बाद सूर्यदेव ब्रह्माण्ड में अवतरित हुए। अमेरिकीयों की मान्यता के अनुसार वर्तमान में विद्यमान सूर्य पांचवें हैं। तात्पर्य यह कि इससे पूर्व चार बार ब्रह्माण्ड में सूर्य का प्राकट्य और अवसान हो चुका है। अमेरिका में 'तोनतिहू' यानी सूर्य अपनी काया से प्रकाश की किरणें निकालते हैं और आजटेक लोगों की रक्षा करते हैं। वे फसलों को खुशहाली और मनुष्यों को जीवन प्रदान करते हैं। अपनी इन्हीं मान्यताओं के कारण अमेरिकी लोग सूर्यदेव की पूजा-आराधना करते हैं।

मिश्र

मिश्र में उदीयमान सूर्य को 'होरूस', दोपहर के सूर्य को 'रा' और अस्त होते सूर्य को 'ओसिरिस' कहते हैं। मिश्र की लोक मान्यताओं के अनुसार विश्व भर में 'रा' का राज है। ये 'रा' बाज का सिर लिए पूरी दुनिया की रखवाली और असुरों से मानव जाति की रक्षा करते हैं। प्राचीन मिश्र में 'रा' की पूजा का विधान था, परंतु मिश्री फराओ अमेनहोटेप चतुर्थ ने पुरानी परंपरा को समाप्त करते हुए लोगों से कहा कि वे अब नए सूर्य 'अटेन' की पूजा करें। हालांकि तब लोगों ने उसकी बात को मानते हुए ऐसा ही किया था, लेकिन उसकी मृत्यु के पश्चात् उसके ही दामाद तुतनखाटेन ने पुनः 'रा' को ही प्रतिष्ठित कर दिया।

ईरान

ईरान में सूर्य को 'मित्र' कहा जाता है। यह एक अनूठा उदाहरण है कि ईरानी 'मित्र' को ग्रीक और रोमन लोग भी सूर्य का ही प्रतीक मानते हैं। वहीं, वैदिक साहित्य के अनुसार 'मित्र' सूर्य भगवान के सहयोगी देवता हैं। ईरानी सभ्यता में 'मित्र' का पदार्पण ईसा पूर्व 200-300 के मध्य हुआ था। ईरानी गाथाओं के अनुसार वहां के सम्राट पर 'मित्र' की छाया पड़ती थी। इसीलिए ईरान में सम्राट को पवित्र मानकर उसे बहुत प्रतिष्ठा दी जाती रही है। इस प्रकार अन्य अनेक देशों और सभ्यताओं में भी भगवान श्री सूर्य नारायण को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। तात्पर्य यह कि सूर्योपासना की प्रथा किसी-न-किसी रूप में विश्व भर में विद्यमान है, परंतु हमारे समाज में तो इन्हें महानतम आराध्य की उपाधि प्राप्त है, जो भक्तों की न केवल रक्षा करते हैं, बल्कि आरोग्य और सुख-समृद्धि भी प्रदान करते हैं।

(इतिश्री)

परिपक्व होता लोकतंत्र और भारतीय मतदाताओं की सोच !

लोकतंत्र

विश्वनाथ शिरढोणकर

स्वतंत्रता के 75 वर्षों में हमारे देश का लोकतंत्र जितना सुदृढ़ और परिपक्व हुआ है, हमारा मतदाता उतना ही संकुचित होता जा रहा है। इसे एक विडम्बना भी कह सकते है। परन्तु यह वास्तविकता है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण, पहले भी और आज भी भारत में राजनीतिक दलों का वैचारिक दृष्टि से परिपक्व न होना है। उनकी सोच राष्ट्र के लिए न होकर अपने दल के लिए और इससे बढ़कर भी नेताओं के व्यक्तिगत स्वार्थ हेतु होती है। लोकतंत्र लोगों द्वारा, लोगों के लिए ,लोगों की व्यवस्था होती है, यह मूल मंत्र राजनीतिक दलों द्वारा भुला दिया गया है। राजनीतिक दलों द्वारा भारतीय राजनीति का हित शुरू से ही मतदाताओं को अशिक्षित रखने में ही समझा गया।

परिवार और समाज में अगली पीढ़ी को शिक्षित, स्वस्थ और योग्य बनाने में हम दिनरात एक कर देते है, परन्तु इसके विपरीत राजनितिक दलों का स्वार्थ इन सब पर कुठाराघात करता है। राजनीतिक दल अपने तात्कालिक लाभ हेतु मतदाताओं को एक काल्पनिक रंगीन विश्व में ले जाकर, झूठे आश्वासन देकर उन्हें वास्तविकताओं से बहुत दूर ले जाते हैं और उनका मत प्राप्त कर लेते हैं। उदाहरण स्वरूप चुनाव के पूर्व शराब बाटना, नगद रुपये बांटना, बिना आर्थिक स्थिति का आकलन किये कर्ज माफ़ी का झूठा आश्वासन देना, धर्म और जातियों में भेदभाव करना और स्थानिक परिस्थितियों के अनुसार जहां उस धर्म या जाति के मतदाता अधिक हो उनके पक्ष में बिना राष्ट्र का विचार किये असंभव ऐसे आश्वासन देकर मतदाताओं को ललचाना। स्थानीय मुद्दों को उद्वेलित करना, मोर्चे, हिंसक आंदोलन करना,और मतदाताओं को भड़काना। विगत 75 वर्षों में राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए झूठे आश्वासनों की एक लम्बी सूची है, जो स्थानीय मतदाताओं को दिए गए हैं। और आजतक पूरे नहीं हुए हैं। इन कारणों से मतदाता भ्रमित हो जाता है और उसके मन ,मस्तिष्क में सिर्फ स्थानीय मुद्दे हावी हो जाते है।

सत्ता भ्रष्टाचार की जननी होती है और हर एक सत्ता भ्रष्ट ही होती है। चुनाव ही इसकी पहली सीढ़ी होती है। भ्रष्टाचार द्वारा भ्रष्टाचार हेतु,भ्रष्टाचार के लिए, आज राजनीतिक दल और नेताओं का उद्देश्य हो गया है। चुनाव निष्पक्ष हो यह जितनी व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है उतनी ही राजनीतिक दल और यहाँ तक कि मतदाताओं की भी होती है। परन्तु राष्ट्रहित का अगर राजनीतिक दल विचार न करते हो तो मतदाता भी इन परिस्थितियों पर सार्थक दृष्टी से विचार नहीकरता।

एक और महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि, प्रत्येक चुनाव के समय स्थानीय परिस्थिति भिन्न भिन्न होती है,स्थानीय मुद्दे भी अलग होते है। यही स्थानीय स्थिति और स्थानीय मुद्दे मतदाताओं को उद्वेलित और प्रभावित करते रहते है। जो समस्याएं पंजाब में हैं जरूरी नहीं कि वही समस्याएं तमिलनाडु में भी हों। इतना ही नहीं वरन राज्य के हर जिले की और जिले के हर गांव की अपनी अलग अलग समस्याएं होती है। विगत 75 वर्षों में भारतीय मतदाता इन समस्याओं को अलग अलग करना सीख गया है। दूसरे शब्दों में दलों के नेता भले ही परिपक्व न हुए हों पर मतदाता अब सयाना हो गया है। ग्रामपंचायत से लेकर नगर पालिका,नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा इन सब के लिए वह अलग अलग सोचता है। शोधकर्ताओं के लिए यह सबसे रोचक हो सकता है कि जिस दिल्ली में आम आदमी पार्टी को विधानसभा में दो तिहाई बहुमत मिलता है वही लोकसभा की सभी सातों सीटें भाजपा के खाते में जाती हैं। शायद मतदाता यह सोचता हो कि अरविन्द केजरीवाल राष्ट्र का नेतृत्व करने में अभी परिपक्व नहीं है। इसका एक और अर्थ हम यह भी ले सकते हैं कि मतदाता देश में अस्थिरता नहीं चाहता वही वह विधानसभा में भी किसी तरह की अक्षमता सहन नहीं करता। या दूसरे शब्दों में उसे अच्छी तरह यह समझ है कि कौन सा दल राष्ट्र की रक्षा करने में और राष्ट्र को सुचारू रूप से चलाने में समर्थ है। यही मतदाताओं की भावना है।

परेशानी तब होती है जब राजनीतिक दल एक साथ अनेक मुद्दे या स्थानीय मुद्दे लेकर लोकसभा या विधानसभा के चुनाव में मतदाताओं के सामने जाते हैं। इससे मतदाता भ्रमित हो जाता है। मराठी में एक कहावत है, 'पहले पोटोबा (पेट-भूख) फिर विठोबा(भगवान) हिंदी में भी, भूखे भजन न होय गोपाला 'यह कहावत है। गरीब मतदाता सबसे पहले सिर्फ अपना और अपने परिवार का पेट किस तरह से भरा जाए यह विचार करता है। मतदाता स्वार्थी नहीं होता। स्वार्थी होती है राजनीति और राजनीति करने वाले। भूखे पेट राष्ट्र का और देशभक्ति का विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले मतदाता राजनीतिक दलों के लिए 'सॉफ्ट टारगेट 'होते हैं। इसलिए मतदाताओं को कई तरह के लुभावने सपने दिखाकर उनकी अपेक्षाएं खूब बढ़ा दी जाती है। यह असम्भव अपेक्षाएं चुनाव बाद पूरी करना संभव नहीं होती इस तरह यह सबके लिए जी का जंजाल बन जाती हैं। मतदाता सभी दलों से निराश हो जाता है। स्वतंत्रता के बाद यह लोकतंत्र का नासूर बन कर रहा गया है।

मतदाताओं को उत्तेजित करने हेतु,राजनीतिक दलों के लिए सुविधाजनक हिन्दू-मुस्लिम और आरक्षण जैसे मुद्दों के अलावा गत वर्षों में अनावश्यक रूप से पैदा किये गए अनेक मुद्दे जैसे, कर्जमाफी, बिजली बिल, सिलेंडर, टोपी, पगड़ी, जनेऊ, स्थानीय जातियों में विद्वेष फैलाना, यहाँ तक कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज के कुत्ते को भी मुद्दा बनाया गया था। आज वह मुद्दा बिना हल हुए ही हवा हो गया है। जब राष्ट्रीय मुद्दों की जगह स्थानीय मुद्दों को लेकर मतदाता को उत्तेजित किया जाता है, तो मतदाता से क्या अपेक्षाएं की जा सकती है? हाल के दिनों में असंसदीय भाषा, अपमान, मानहानि के मुकदमे जैसे नकारात्मक मुद्दे भी लोकतंत्रीय बाजार में प्रचार के नये प्रोडक्ट है। रैली, हिंसक आंदोलन और तोड़फोड़ राष्ट्र का चरित्र बन चुका है। इन सब कारणों के कारण मतदाता असली मुद्दों से भटक जाता है और उसकी स्वस्थ वैचारिक क्षमता प्रभावित होती है।

आयाराम गयाराम अर्थात् चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा सिर्फ निजी स्वार्थवश उनके दल को बदलना। यह भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय है। मतदाता इसे पसंद नहीं करता, परन्तु इस कृत्य की रोकथाम हेतु मतदाता के पास कोई उपाय नहीं होता। महाराष्ट्र की घटनाएं यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद भी दल और उनके प्रतिनिधियों को अभी भी कठोरता पूर्वक 'लोकतंत्र में अनुशासन' का पाठ पढ़ाएं जाने की आवश्यकता है।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि बहुतांश दलों की कमान एक ही परिवार या एक ही हाथों में होना। निर्णय लेने की प्रक्रिया सामूहिक न होकर केंद्रीयकृत होना। हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, पर हमारे राजनीतिक दल बहुत दुर्बल हो चुके हैं। भाजपा में भी मोदी और शाह बहुत मजबूत हो चुके हैं, और इनके रहते वहां किसी अन्य श्रेष्ठ नेतृत्व के आगे आने की संभावना नहीं है। अन्य दलों की हालत तो बहुत ही दयनीय है। लोकतंत्र में व्यक्ति का नहीं वरन दल का सुदृढ़ और श्रेष्ठ होना महत्वपूर्ण है। राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किसी एक व्यक्ति के पास केंद्रीकृत होने से उसमें राष्ट्रीय भावनाओं की कमी होती है। यह स्वस्थ राजनीति न होकर दल के आंतरिक लोकतंत्र को ही नष्ट कर देती है।

अपने स्वयं के दल में अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए नेताओं द्वारा जाती और धर्म का सहारा लिया जाकर मतदाताओं को भड़काया जाता है। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव के समय नेताओं को धर्म के ठेकेदारों से मिलने की आवश्यकता ही क्यों होती है? इसी कारण धर्म के ठेकेदार प्रोत्साहित होकर फतवे जारी करते हैं। स्थानीय रूप से भोलेभाले नागरिकों पर अनेक धर्मगुरुओं का प्रभाव होने से मतदाता भ्रमित होता है।

आखिर में एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह कि जब हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी तब देश की जनसंख्या 40 करोड़ भी नहीं थी। आज 140 करोड़ से भी अधिक है। इस जनसंख्या के महासमुद्र हेतु कितनी भी व्यवस्था करें वह कम ही रहेगी। इसमे हर समय चुनाव का ही मौसम होता है। इसलिए लोकसभा,विधानसभा यहाँ तक कि नगरीय संस्थाओं के चुनाव भी एक साथ हो तो उत्तम। इस हेतु पांच वर्ष में एक माह की अवधि तय की जा सकती है। समय, पैसा बचाने के अलावा राजनीतिज्ञों के बारहमासी षड्यंत्रों पर भी रोक लग सकती है।

लोकतंत्र में अधिक से अधिक से अधिक मतदान हो यह स्वस्थ लोकतंत्र प्रणाली हेतु आवश्यक है। मतदाता को प्रेरित करने के अलावा मतदान हेतु कानून द्वारा सख्ती भी होना चाहिए। परन्तु 'नोटा' कानून के द्वारा हम क्या साबित करना चाहते है? अब नोटा की बीमारी कुछ ज्यादा ही बढ़ गयी है। पहले से ही मतदान का प्रतिशत काम होता था अब नोटा की मेहरबानी से 10 से 12 प्रतिशत मतदान प्राप्त करने वाला भी व्यवस्था का अपने मन माफिक उपयोग कर सकता है। इस तरह से राष्ट्रीय मुद्दे महत्वहीन हो जाते हैं।

क्रिकेट

विजय रांगणेकर

आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप, भारत की राह हुई मुश्किल

इस साल के अंत में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीम के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है। यह भारत की आखिरी सीरीज होगी, जिसमें डब्ल्यूटीसी फाइनल में सीधे जगह पक्की करने के लिए अब टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कम से कम चार मैच जीतने ही होंगे और एक मैच ड्रॉ कराना होगा। टीम इंडिया चार मैच जीतने में नाकाम रहती है तो फिर उसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। अब दो या तीन नहीं बल्कि फाइनल के लिए पांच टीमों के बीच सीधी टक्कर है। अब तक 4 टीमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के रेस से पूरी तरह बाहर हो चुकी हैं तो 5 टीमें रेस में बनीं हुई हैं। इसमें से 4 टीमों का दावा मजबूत है।

आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल अगले साल 25 जून को खेला जाएगा। फाइनल से पहले कुछ ही टेस्ट बाकी हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे वैसे समीकरण रोमांचक होता जा रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 की पॉइंट्स टेबल कुछ दिन पहले तक एकतरफा प्रतीत हो रही थी। भारत ने बाकी टीमों पर अच्छी लीड बनाई हुई थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया की तीनों मैचों में हार के बाद फाइनल के सारे समीकरण बदल गए हैं। अब भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर फिसल गई। जबकि कंगारू टीम ने पहला स्थान हासिल कर लिया। इस साल के अंत में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीम के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है।

यह भारत की आखिरी सीरीज होगी, जिसमें डब्ल्यूटीसी फाइनल में सीधे जगह पक्की करने के लिए अब टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कम से कम चार मैच जीतने ही होंगे और एक मैच ड्रॉ कराना होगा। टीम इंडिया चार मैच जीतने में नाकाम रहती है तो फिर उसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा।

अब दो या तीन नहीं बल्कि फाइनल के लिए पांच टीमों के बीच सीधी टक्कर है। अब भारत, आस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, और न्यूजीलैंड ही फाइनल खेलने की दौड़ में हैं। इंग्लैंड, पाकिस्तान, बांग्ला देश और वेस्ट इंडीज इस फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए हैं। भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया की टीम फाइनल में पहुंचने की सबसे बड़ी दावेदार है। हालांकि न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका भी पीछे नहीं हैं। श्रीलंका अंक तालिका में तीसरे स्थान पर जरूर है दूसरी टीमों के नजीते से भी उनके सफर पर असर पड़ेगा।

हालांकि भारतीय टीम अभी शीर्ष पर है। लेकिन लगातार दो हार से अन्य देशों के लिए भी फाइनल में जगह बनाने के रास्ते खुल गए हैं। भारतीय टीम दो बार टेस्ट चेंपियनशिप के फाइनल में पहुँच चुकी है लेकिन कभी चेम्पियन नही बन सकी है। न्युज़ीलैंड और आस्ट्रेलिया ने विजय मंच पर पहुँचने का रास्ता रोक दिया था।

न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट इंग्लैंड के विरुद्ध खेलना है। भारत के खिलाफ वर्तमान सीरीज से पहले उसकी फाइनल में पहुँचने की उम्मीद काफी कम थी। लेकिन अब वह भी इस दौड़ में शामिल हो गई है। इसके लिए उसे सभी 3 टेस्ट मैच अनिवार्य रूप से जीतने होंगे. एक मैच की हार उसकी संभावनाओं को समाप्त कर देगी।

अभी आस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है और उसे 5 भारत के और 2 टेस्ट श्रीलंका के खिलाफ खेलना है। यदि आस्ट्रेलिया भारत को 3-2 के अन्तर से और श्रीलंका को 1-0 के अन्तर से हरा देती है तो वह शीर्ष स्थान पर पहुँच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के लिए फाइनल की राह बहुत मुश्किल लग रही है क्योंकि खिताबी भिड़ंत में जाने के लिए उसे अपने बाकी सभी मैच तो जीतने ही हैं बल्कि उसके बाद भी अन्य टीमों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. दक्षिण अफ्रीका को एक टेस्ट बांग्ला देश से, दो श्रीलंका और दो पाकिस्तान के विरुद्ध खेलना है. यदि अफ्रीकन टीम सभी मैच जीत लेती है तो वह अपनी जगह फाइनल में बना सकती है।

. यदि एक टेस्ट ड्रा करा ले तो भी कुछ संभावना है लेकिन दो टेस्ट की हार उसे मुकाबले से बाहर कर देगी। श्रीलंका के दक्षिण अफ्रीका से दो और आस्ट्रेलिया से भी दो यानि कुल चार टेस्ट मैच खेलना है। श्रीलंका को भी फाइनल में खेलने की पात्रता के लिए सभी चार टेस्ट जीतने होंगे। यदि वह एक टेस्ट हारती है तब भी उम्मीद बनी रहेगी। लेकिन दो टेस्ट हारने या ड्रा रहने पर उसके लिए फाइनल में पहुँचने के दरवाजे बंद हो जायेंगे।

शिव जी और काली मां की मनमोहक झांकियों ने किया मंत्रमुग्ध

शिव भोला जागरण ग्रुप की प्रस्तुति देखने हिवरखेड़ी में उमड़ी भक्तों की भीड़

बैतूल। ग्राम पंचायत हिवरखेड़ी के मरही माई लक्ष्मी मंडल द्वारा आयोजित भव्य देवी जागरण कार्यक्रम में शिव भोला जागरण ग्रुप आमला ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े और ग्राम पंचायत हिवरखेड़ी की उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाड़े द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, जो ग्रामीणों के लिए धार्मिक आस्था और मनोरंजन का संगम साबित हुआ। जागरण के दौरान शिव भोला जागरण ग्रुप के कलाकारों ने भक्ति गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिव जी, काली मां और अन्य देवताओं की मनमोहक झांकियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। ग्रामीण क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर देवी जागरण के मधुर स्वरों में डूबे रहे और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी रमेश गव्हाड़े के सहयोग से मरही माई लक्ष्मी मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन लोकेश माकोड़े ने बड़ी ही कुशलता से किया, जिससे संपूर्ण आयोजन व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल के शुभम सोनारके, कृष्णा सूरदूसे, प्रवीण गावंडे, कैलाश गायकवाड़, हर्षल माकोड़े सहित मंडल के अन्य सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मालवी प्रदेश संगठन मंत्री बने

बैतूल। संत गाडगे बाबा समिति महासंघ की बैठक संघ के कार्यालय बस स्टैंड में संपन्न हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष श्याम सेवतकर द्वारा सदस्य मनीष अशोक पटने की अनुशंसा पर महासंघ का युवा प्रदेश संगठन मंत्री मप्र प्रबल मालवी को नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति पर वासुदेव सेवतकर, अनिल पापडकर, प्रभात पटने, शंशी सोलंकी, सुनील परडकर,गुड्डु खेडले, सुधीर सहित संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बधाई दी है।

कलेक्टर ने 21 सुपरवाइजर्स को दिया कारण बताओ नोटिस

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

बैतूल। विगत दिवस हुई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूर्ति नहीं पाए जाने पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 21 सुपवाईजरो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सुपरवाइजरों द्वारा आगामी सात दिवस में संतुष्टि जनक जवाब नहीं दिए जाने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा महिलाओं को प्रथम प्रसव के लिये प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के रूप में तीन किश्तो में राशि 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। गर्भवती महिलाओं के लिये प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महती योजना है, जिसमें निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति न होने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा दोषी सुपरवाईजरों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस में जवाब मांगा है। कार्य में लापरवाही पाए जाने के कारण कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बाल विकास परियोजना भैंसदेही से श्रीमती पार्वती वाडेकर, श्रीमती सुखिया फेन्ड्रे, श्रीमती मनीषा खातरकर, श्रीमती सुनिता कास्दे, श्रीमती सुनिता सैलू, श्रीमती बबीता सावकर एवं परियोजना आमला से सुश्री रौशनी धुर्वे, श्रीमती देवा बेले, सुश्री वर्षा पवांर, श्रीमती पुष्पा तिवारी एवं परियोजना मुलताई से श्रीमती सरोज जगदेव, परियोजना प्रभातपटटन से श्रीमती गीता सोलंकी एवं परियोजना शाहपुर से श्रीमती ज्योति बनवारी, श्रीमती मंजू राजपूत, श्रीमती माधवी धरसर एवं परियोजना घोडाडोंगरी से श्रीमती रधिया अहाके, श्रीमती सरोज चौरे एवं परियोजना-बैतूल ग्रामीण से श्रीमती बबीता वर्मा, सुश्री ज्योति भालेकर एवं परियोजना बैतूल शहर से सुश्री राखी शानचंदानी श्रीमती गुन्ता उईके को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। इन सुपरवाईजरों के आगामी सात दिवस में नियंत्रणकर्ता अधिकारी के माध्यम से जवाब प्राप्त न होने/जवाब तुष्टिपरक न होने की दशा में नियमानुसार एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

हल्ला मचने के बाद ग्रामीणों ने दो बदमाशों को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

वारदात सीसीटीवी में कैद,हथियारबंद बदमाशों ने किया चोरी का प्रयास, दो धराये

बैतूल। एक किसान के घर कुछ हथियारबंद बदमाशों ने चोरी का प्रयास किया, तभी घर के बच्चे जाग गये और उन्होंने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। जिससे बदमाश भाग खड़े हुए। हालांकि ग्रामीणों ने दो बदमाशों को पकडक़र पुलिस के हवाले किया है। पूरा घटना ग्राम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। इधर दूसरी घटना में एक युवक ने थार जीप से घर के बाहर बैठे लोगों को कुचलने की कोशिश की। इस हादसे में 5 लोग घायल हो गये। जिनमें से दो गंभीर घायलों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया है। पुलिस उक्त मामलों की जांच कर रही है।

पहला घटना घटना झल्लार थाना इलाके के केरपानी में सोमवार रात की है। यहां हथियारबंद बदमाशों ने किसान के घर चोरी का प्रयास किया। किसान संतोष सूर्यवंशी के मुताबिक रात करीब एक बजे 7 हथियारबंद बदमाश उनके घर पर पहुंचे। उन्होंने अपने साथ लाए हथियारों से घर के सामने लगा लोहे का गेट तोडऩे का प्रयास किया। इसकी आवाज से घर में सो रहे बच्चे जाग गए। उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी में देखा तो कुछ लोग घर का गेट तोडऩे का प्रयास कर रहे थे। बच्चों ने शोर मचाना शुरू किया, तो बदमाश भाग निकले। लोगों के इकट्ठा होने के बाद ग्रामीणों ने गांव में तलाश शुरू की तो बदमाशों में से दो युवकों को पकड़ लिया गया। उन्हें झल्लार पुलिस को बुलवाकर सुपुर्द कर दिया गया है। झल्लार टीआई मनोज उईके ने बताया कि ग्रामीणों ने दो बदमाशों को पकड़ा है। उनसे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल फरियादी के थाने न पहुंचने के कारण एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकी है। पकड़े गए बदमाश आमला क्षेत्र के हैं।

उनके पास से दो मोबाइल भी जब्त किए गए हैं।

जीप से कुचलने की कोशिश, 5 घायल, दो गंभीर

एक युवक ने थार जीप से घर के बाहर बैठे लोगों को कुचलने की कोशिश की। घटना में दो बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सोमवार शाम का आठनेर थाना क्षेत्र के मांडवी का है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने तेज रफ्तार थार जीप से घर पर टक्कर मारी। जिससे घर की दीवार और दरवाजा टूट गया। धर्मेश नाम के घायल युवक ने बताया कि सोमवार को बहन ने उसे फोन किया था कि ससुराल में उसके साथ मारपीट की जा रही है। बहन के कॉल करने पर वह उसके ससुराल पहुंचा था। बहन के ससुराल वालों को समझाइश देने के बाद वह पड़ोस के एक परिवार के घर पर बैठा था। तभी उसकी बहन का देवर सोनू थार जीप लेकर आया। उसने तेज रफ्तार कार से घर को टक्कर मार दी। जीप की टक्कर से दीवार गिरने से दो बच्चे, एक युवक और एक महिला घायल हो गई। जबकि एक महिला जीप की चपेट में आने से जख्मी हो गई। आठनेर थाना प्रभारी बबीता धुर्वे ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। जीप जब्त कर ली गई है।

पुलिस ने जुएं के फड़ों पर की कार्रवाही, 9 धराये

बैतूल। भैंसदेही पुलिस ने जुएं के दो फडो पर कार्रवाही करते हुए 9 लोगों को पकडक़र 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाही की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जाम मोहल्ला में कुछ लोग ताश के पत्तों पर दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम गठित कर मौके पर भेजी गई, जहां चार आरोपियों को ताश के पत्ते पर हार-जीत का दांव खेलते हुए पकड़ा है। जिनके पास से 2300 रूपये जब्त किये, वहीं दूसरी कार्रवाही जाम मोहल्ला में ही एक अन्य स्थान पर की है। पुलिस टीम ने यहां अनिल पिता भैयालाल राठौर, उम्र 30 वर्ष, निवासी जाम मोहल्ला भैंसदेही, आकाश पिता राजू झरबड़े, उम्र 20 वर्ष, निवासी जाम मोहल्ला भैंसदेही, आदर्श पिता भेजराज झरबड़े, उम्र 20 वर्ष, निवासी जाम मोहल्ला भैंसदेही, धर्मेन्द्र पिता ब्रम्हदास गाडगे, उम्र 40 वर्ष, निवासी जाम मोहल्ला भैंसदेही और छोटू उर्फ इकबाल पिता मेहमुद खान, उम्र 30 वर्ष, निवासी जाम मोहल्ला भैंसदेही को पकडक़र जुआ एक्ट के तहत कार्रवाही की है। इस कार्रवाही में थाना भैंसदेही के निरीक्षक नीरज पाल, सउनि अजय भाट, प्रआर. पंजाब परते, आरक्षक मनोज इवने, सोनू, नरेन्द्र, सुनील उईके, और तनवीर का विशेष योगदान रहा।

5 साल के बच्चे की कुएं में गिरने से मौत

बैतूल। कुएं में गिरने से 5 साल के मासूम की मौत हो गई। वह छोटी बहन के साथ कुएं के पास मछली पकडने का खेल खेल रहा था, तभी संतुलन बिगडऩे से वह कुएं में गिर गया। ग्रामीणों ने उसे कुएं से बाहर निकाला, लेकिन बचाया नहीं जा सका। पाढर पुलिस चौकी प्रभारी जगदीश रैकवार के मुताबिक मल सिवनी गांव में 5 साल के लक्ष्य की मौत हुई है। वह अपनी तीन साल की बहन मान्या के साथ घर के पास कुएं के करीब मछली पकडऩे का खेल खेल रहा था। कुंए में ऊपर तक पानी भरा होने से वह लकड़ी लेकर कुएं में झुका। संतुलन खोने से वह कुएं में गिर गया। परिजनों ने देखा तो तत्काल उसे बाहर निकालने के लिए दौड़े। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। कांटा डालकर मासूम लक्ष्य को बाहर निकाला गया। परिजनों ने बताया कि लक्ष्य के पिता की भी मौत हो चुकी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने कार्यशाला संपन्न

बीएलओ के पास फार्म 6 अवश्य भरें

बैतूल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नाहिया में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश के परिपालन में मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 पर कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में स्वीप के जिला सहायक नोडल अधिकारी एवं एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे द्वारा प्राचार्य पीएस सोनकुसरे व शिक्षिका भागीरती डोंगरे विशेष रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ सुखदेव डोंगरे ने कहा संविधान ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवाद, पंथनिरपेक्ष,लोकतंत्रात्मक गणराज्य की अवधारणा दी है। जिसके लिए मतदान अहम है। पीएस सोनकुसरे ने विद्यार्थियों से अपील किया कि वह ग्रामीण जनों को समझाएं जो युवा या विद्यार्थी 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे बीएलओ के पास फार्म 6 अवश्य भरे अपना वोटर कार्ड

अनिवार्य रूप से बनाएं। भागीरती डोंगरे ने कहा कि इसलिए प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करने के लिए मतदाता कार्ड अनिवार्य रूप से बनाएं एवं प्रत्येक चुनाव में मतदान अवश्य करें। कार्यक्रम के अंत में अनिवार्य मतदान की शपथ ली गई। इधर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश के परिपालन में मतदाता सूची में नाम जोडऩे के लिए वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण स्वीप प्लान के जिला सहायक नोडल अधिकारी एवं एनएसएस के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे एवं प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस मौके पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि मतदान आपका मौलिक अधिकार है इसका राष्ट्रहित अवश्य उपयोग करें। सभी स्वयंसेवकों को कहा कि 18 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीएलओ के पास फार्म नंबर 6 अवश्य भरें और अपना वोटर कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाएं।

एसपी ऑफिस में जनसुनवाई, 20 से अधिक शिकायतों का समाधान

बैतूल। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई के उद्देश्य से एक विशेष शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी व पुलिस के अन्य अधिकारी गणों द्वारा विभिन्न प्रकार की शिकायतों का समाधान किया गया। इस दौरान बैतूल जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए लगभग 20 से अधिक शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याओं का समाधान पाया। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनने और समझने के बाद, तत्काल निराकरण की प्रक्रिया अपनाई गई ताकि शिकायतकर्ताओं को त्वरित राहत मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और जनसामान्य की समस्याओं का यथासंभव त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि जिले के लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए सक्षम मंच प्राप्त हो।

वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन,न्यायाधीश ने की वृद्धजनों की कुशलता पर चर्चा

बैतूल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल के सहयोग से आनंदधाम वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की माननीय न्यायाधीश सचिव डॉ. महजबीन खान की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण करना था। स्वास्थ्य शिविर में मेडिकल ऑफिसर डॉ. गोविंद साहू और डॉ. रिंकेश काकोडिया ने अपने चिकित्सकीय दल के साथ वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों और कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। सभी निवासियों की संपूर्ण जांच कर आवश्यक परामर्श भी दिया गया। वृद्धजनों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए यह शिविर बेहद लाभकारी साबित हुआ, जिसमें वृद्धजनों ने अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को साझा कर चिकित्सा सेवा का लाभ उठाया। कार्यक्रम में आनंदधाम के सचिव अजय भार्गव, विवेक शर्मा, अशोक श्रीवास, और प्रबंधक एच.आर. सोनी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर के उपरांत माननीय न्यायाधीश डॉ. महजबीन खान ने वृद्धजनों से उनके स्वास्थ्य एवं कुशलता पर चर्चा की और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने वृद्धाश्रम के सदस्यों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा का आश्वासन भी दिया। अजय भार्गव ने आनंदधाम की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग का आभार प्रकट किया।

हादसे में घायल ग्रामीणों ने की ट्रैक्टर ड्राइवर पर मामला दर्ज करने की मांग

बैतूल। रानीपुर थाना क्षेत्र में हुए ट्रैक्टर हादसे में घायल ग्रामीणों ने युवा आदिवासी विकास संगठन जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने के नेतृत्व में पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। 27 अक्टूबर को हुए इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी को आवेदन सौंपकर मामले में ट्रैक्टर ड्राइवर पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों ने बताया कि घटना के दिन वे सभी कमानी गेट बैतूल के पास अपने गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। उसी समय ट्रैक्टर ड्राइवर राहुल वहां पहुंचा और गांव तक छोडऩे का प्रस्ताव दिया। सभी लोग ट्रैक्टर में बैठ गए। राहुल साहू ने बंजारी माई के पास ट्रैक्टर को लापरवाही और तेज गति में चलाना शुरू कर दिया। पीड़ितों ने उसे धीमे चलाने के लिए कहा, लेकिन उसने अनसुनी कर दी। तेज रफ्तार में लहराते हुए ट्रैक्टर के नियंत्रण खो जाने से बंजारी माई घाट पर ट्रैक्टर पलट गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई, और अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस से बैतूल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 80 आवेदनों पर की जनसुनवाई

बैतूल। जनसुनवाई में आए नागरिकों की कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में 80 आवेदन प्राप्त हुए।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम मोरडोंगरी निवासी धनराज हारोडे ने कृषि भूमि का बंटवारा किए जाने हेतु आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार बैतूल ग्रामीण को प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम चंदोरा कला निवासी राजेश बारस्कर ने दादा लाहन्या झिपरिया एवं उनके भाई रामा झिपरिया को विस्थापित परिवार के तहत आवंटित पटटा पर नाम दर्ज किए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रभातपट्टन तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। घोडाडोंगरी निवासी विशाल घोडकी द्वारा जनसुनवाई में अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई के लिए दिए गए आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम कनौजिया निवासी गुलाब दांदडे ने मजदूरी का भुगतान किए जाने संबंधी आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत आमला के सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम माथनी निवासी लज्जाबाई द्वारा पीपीओ की सत्यापित प्रति दिलाने के आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने शाहपुर तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

फसल सर्वेयरों को तीन माह से नहीं मिला वेतन, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

बैतूल। फसलों की गिरदावरी (सर्वे) के लिए नियुक्त किए गए सर्वेयरों को तीन माह बाद भी उनके मानदेय का भुगतान नहीं हो सका है। जिले में करीब एक हजार सर्वेयर नियुक्त किए गए थे। उन्होंने मंगलवार को अपनी मांगों का ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सौंपा है।

सर्वेयरों ने बताया कि 3 माह पूर्व मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश भू-अभिलेख पोर्टल के माध्यम से सर्वेयर के आवेदन किए गए थे, जिसमें से प्रत्येक ग्राम में 1 से 2 सर्वेयर नियुक्त किए गए थे। सर्वेयर नियुक्त होने के बाद उन्होंने 1 अगस्त से 15 अक्टूबर 2024 तक खरीफ की फसल का सर्वे किया है। लेकिन उन्हें पिछले 3 माह में कोई भी भुगतान नहीं किया जा सका है।

इन सर्वेयर को सहायक पटवारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। जिन्हें साल में रबी और खरीफ फसलों की गिरदावरी यानी सर्वे का काम सौंपा गया था। इसके अलावा उन्हें किसान के खाते को समग्र आईडी लिंक करना है। बताया जा रहा है कि गिरदावरी के लिए उन्हें एक सर्वे का 8 से 14 रुपए दिए जाने का कहा गया है। एक पटवारी हल्के में 1200 खातों पर एक सर्वेयर नियुक्त किया गया है। कई हल्के में ज्यादा खातेदार होने पर सर्वेयरों की संख्या ज्यादा है। सर्वेयरों ने भुगतान दिलवाने की मांग की है।

जिले में स्मैक की बिक्री रोकने व विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर प्रभावी कार्यवाही करने की मांग

नरसिंहपुर। संपूर्ण नरसिंहपुर जिले में स्मैक की बिक्री रोकने व विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर प्रभावी कार्यवाही करने की मांग को लेकर मंगलवार की सभी वर्ग के लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली। रैली के दौरान स्मैक का कारोबार बंद करो बंद करो के नारे लगते रहे। सुभाष पार्क से प्रारंभ हुई रैली नरसिंह भवन पहुंची । नरसिंह भवन में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि लंबे समय से नरसिंहपुर जिले में जानलेवा नशा की बिक्री की जा रही है, पुलिस छोटे-छोटे आरोपियों को पकड़कर या फिर स्मैक पीने वालों पर औपचारिक कार्यवाही कर रही है जिले में इस स्मैक के कारोबार से कौन लोग जुड़े है कि पुलिस के हाथ उन तक नहीं पहुंच पा रहे है, इसी कारण से पूरे जिले में नौजवान, स्कूल कॉलेज के बच्चे तेजी से स्मैक नशे की चपेट में आ रहे है। इस अवसर पर अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्मैक जैसा नशा अंततः जानलेवा साबित होता है, जिससे व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो जाता है और परिवार तबाह हो जाता है, वहीं समाज पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।जिले भर के थानों/चौकियों में लंबे समय से एक ही जगह जमे और बार-बार एक ही जगह दोबारा पदस्थ होने वाले पुलिसकर्मियों की भी जांच की जाए, ताकि उनकी एक ही जगह लौटकर आने की वजह सामने आ सके। इससे भी स्मैक कारोबारियों को बढ़ावा मिल रहा है। जिले भर में नशे के सौदागरों पर प्रभावी कार्यवाही कर जिले के भविष्य को नष्ट होने से बचाते हुए लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ पुलिस कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जावे। ज्ञापन के दोनों बिंदुओं पर एक सप्ताह के भीतर पुलिस स्मैक के कारोबारियों पर ठोस कार्यवाही करने की मांग की गई। यदि 7 दिवस में स्मैक का जिले से समूल नाश नहीं होता, तो जिलेवासी क्रमशः धरना प्रदर्शन व आंदोलन के लिए बाध्य होगें। ज्ञापन लेते समय पुलिस अधीक्षक ने ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एमपी टॉस्क छात्रवृत्ति के लाभार्थी/ छात्राओं के विसंगतियों को सुधारने लगाये जायेंगे संकुलवार कैम्प

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत एमपी टॉस्क छात्रवृत्ति के लाभार्थी/ छात्राओं के विसंगतियों को सुधार कार्य के लिए संकुलवार कैम्प का आयोजन 4 नवम्बर से 27 नवम्बर तक किया जायेगा। इन कैम्पों के माध्यम से एमपी टॉस्क छात्रवृत्ति के लाभार्थी/ छात्राओं के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, समग्र आईडी एवं जापति प्रमाण पत्र में डाटा मिसमैच संबंधी विसंगतियों को सुधारने का कार्य किया जायेगा। इस संबंध में 4, 5 व 6 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगवानी में, 7, 8 व 9 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर में, 11, 12 व 13 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुरबड़ा में, 14, 16 व 18 नवम्बर को शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में, 19 व 20 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बचई में, 21 व 22 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डांगीढाना में और 25, 26 व 27 नवम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमना में कैम्पों का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर ने कैम्पवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इन कर्मचारियों की ड्यूटी आवेदन प्राप्त करने एवं उनके निराकरण करने के लिए लगाई गई है। इसके अतिरिक्त संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों के संबंधित पटवारी एवं पंचायत सचिव/ ग्राम रोजगार सहायक निर्धारित कैम्प में प्रातः 10.30 बजे से सायं 6 बजे तक नियत कैम्प स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य सम्पन्न करायेंगे।

जिंदगी की तकलीफों को नजदीक से देखने 15 हजार किलोमीटर पैदल नाप रहा गोरखपुर का युवक

देवास/मोहन वर्मा। ऐसे समय में जब कि सोशल मीडिया के उफान में उलझा युवा दूसरों को ज्ञान बांटने में लगा है,उसे दूसरों के दु:ख दर्द से बहुत ज्यादा कोई मतलब नहीं है, गोरखपुर का एक युवा अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद देशवासियों की जिंदगी को नज़दीक के और बहुत कुछ सीखने के उद्देश्य से पैदल निकल पड़ा और 15 हजार किलोमीटर के लक्ष्य में बद्री,केदार,काशी विश्वनाथ होते हुए उज्जैन महाकाल के दर्शनों से पहले आज देवास पहुँचा।

विशाल कनौजिया का कहना है जब आप यात्रा करते है,अनेक लोगों से मिलते है तो पता चलता है कि लोग किन हालातों मे जी रहे है। हरेक व्यक्ति को लगता है उसके जीवन मे बहुत कमी है मगर जब हम अपने से नीचे वालों को देखते है तो समझ में आता है जो हमें ईश्वर ने दिया है वो बहुत से लोगों के लिए सपना है।

विशाल एक अपर मध्यमवर्गीय परिवार से है जहां सामान्य जरूरतें अच्छे से पूरी हो रही है मगर जिंदगी को,दूसरों के दु:ख दर्दों को समझने को वे इस यात्रा पर निकल पड़े और सामान्य परेशानियों के बाबजूद बहुत कुछ सीख रहे है । इस 15 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा के रोमांच से वे खुश है और कहते हैं जीना इसी का नाम है....

भोपाल के खिलाड़ियों की कार डिवाइडर से टकराई,चार खिलाड़ी घायल

उज्जैन (नप्र)। 68वीं राज्यस्तरीय शालेय जिमनास्टिक एवं मलखम्ब प्रतियोगिता में भाग लेने भोपाल से उज्जैन आ रहे खिलाड़ियों की कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में चार खिलाड़ी और कोच घायल हो गए। एक बच्चे को गंभीर चोट लगने के बाद देवास के अमलतास अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती करना पड़ा है।उज्जैन में मंगलवार से शुरू होने वाली जिमनास्टिक प्रतियोगिता शासकीय उ.मा.वि. महाराजवाड़ा क्रमांक 2 के परिसर में जिम्नेशियम हॉल में और मलखम्ब प्रतियोगिता लोकमान्य तिलक विद्यालय, नीलगंगा, उज्जैन में आयोजित होनी थी। इसके लिए प्रदेश भर से खिलाड़ी भाग लेने के लिए उज्जैन पहुंचे हैं। प्रदेश के विभिन्न संभागों से लगभग 650 खिलाड़ी छात्र और उनके कोच दोपहर तक उज्जैन पहुंच चुके थे। लेकिन शाम होते-होते खबर आई कि भोपाल से प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए उज्जैन आ रहे खिलाड़ियों की कार दुर्घटना का शिकार हो गई है।

57 लाख के डम्फर चोरी प्रकरण का पुलिस ने किया 5 दिवस में पर्दाफाश

डम्फर सहित घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार जप्त, 3 आरोपी गिरफ्तार

देवास। दिनांक 31.10.2024 की दरमियानी रात ग्राम बेडामऊ के समीप एसार पेट्रोल पंप से फरियादी दिलीप मानधन्या पिता राधेश्याम उम्र 44 साल निवासी वार्ड क्रमांक 08 शिवाजी चौराहा बागली से टाटा कम्पनी बारह चक्का डम्फर की चोरी की सूचना मिलते ही तत्काल श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री पुनीत गेहलोद के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बागली श्रीमती हीना डाबर तत्काल मय फोर्स के रवाना होकर घटनास्थल पहुंचकर घटनास्थल का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया गया । उक्त अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना बागली में अपराध क्रमांक 595/2024 धारा 303(2) बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया ।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री आकाश भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बागली सुश्री श्रृष्टि भार्गव के निर्देशन में 3 विशेष टीमो का गठन किया गया । गठित टीम के द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवीफूटेज,टोल नाको,संस्थानों एवं हाईवे पर स्थित ढाबे एवं हाईवे पर स्थित होटलो पर लगे लगभग 200 से अधिक सीसीटीवी फूटेज खंगाले एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये । प्रकरण की विवेचना के दौरान विशेष टीम द्वारा सीसीटीवी फूटेज एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर डम्फर चालक अमजद उर्फ अन्नू पटेल पिता अनवर पटेल निवासी अनार बाग थाना खजराना जिला इन्दौर से प्रारंभिक पूछताछ करने पर बताया गया कि डम्फर के सहमालिक जसपाल सेंधव एवं अर्जुन सेंधव के कहने पर मैने एसार पेट्रोल पंप पर खड़े नए डम्फर को चोरी की वारदात कारित करना स्वीकार किया है ।

जप्तशुदा सामग्री - 1 डम्फर एवं स्विफ्ट कार कीमती लगभग 60 लाख रूपये का मश्रुका जप्त ।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम -

1. अमजद उर्फ अन्नू पटेल पिता अनवर पटेल निवासी अनारबाग खजराना इन्दौर ।
2. जसपालसिंह पिता अनारसिंह सेंधव निवासी ग्राम बेडामऊ थाना बागली ।
3. अर्जुन सेंधव पिता मोतीसिंह सेंधव निवासी ग्राम बेडामऊ थाना बागली ।

सराहनीय कार्य - निरीक्षक हिना डावर,उनि मलखान सिंह भाटी,उनि लोकेश कुशवाह,उनि चिन्तामण चौहान, उनि उपेन्द्र नाहर,सउनि नरेन्द्रसिंह चौहान,प्रआर ज्ञानेन्द्र कुमार,आर.रोहित दसोरिया,दीपक कुशवाह,अरुण वर्मा,बलराम परमार,सैनिक विष्णु सोनी,सायबर सेल टीम प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर,सचिन चौहान एवं सउनि कृष्णकान्त परिहार, सउनि अशोक दुबे,प्रआर सुरज तिवारी, आर.राहुल हिरवे थाना पिथमपुर सेक्टर 1 जिला धार का सराहनीय योगदान रहा।

4 अवयस्क बालिकाओं को ढूंढकर सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया

देवास पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया

देवास। पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने जिले भर में अवयस्क बालकों और बालिकाओं के अपहरण के अपराधों की गंभीरता को देखते हुए सभी थाना प्रभारीगण को सख्त निर्देश दिए थे।

इसी दिशा में अपहृत बालकों और बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए 'आपरेशन मुस्कान' का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत देवास जिले के विभिन्न थानों में अपहृत बालिकाओं की सकुशल बरामदगी की गई।

'आपरेशन मुस्कान' के तहत थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास (अपराध क्रमांक 864/2023) से 01 वर्ष पहले अपहृत एक बालिका को पीथमपुर, जिला धार से, अपराध क्रमांक 693/2024 में अपहृत बालिका को गंधवानी, जिला धार से, और अपराध क्रमांक 1112/2024 में अपहृत बालिका को संजय नगर, देवास से बरामद किया गया। इसके अलावा थाना बागली (अपराध क्रमांक 600/2024) से अपहृत एक बालिका को तीन इमली चौराहा, जिला इन्दौर से सकुशल दस्तयाब किया गया और उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

सराहनीय कार्य

इस सराहनीय कार्य में शामिल प्रमुख पुलिसकर्मियों में निरीक्षक शशिकान्त चौरसिया (थाना प्रभारी, औद्योगिक क्षेत्र), उ.नि. सर्जनसिंह मीणा, स.उ.नि. नितिन सिंह चौहान, प्र.आर. शिवकुमार सिंह, शैलेन्द्र राणा, आर. नरेंद्र, म.आर. मोनिका शर्मा, मनीषा मीणा (थाना औद्योगिक क्षेत्र), थाना प्रभारी बागली श्रीमती हीना डाबर, उ.नि. लोकेश कुशवाह, प्र.आर. ज्ञानेन्द्र, आर. दीपक कुशवाह (थाना बागली) और सायबर सेल के प्र.आर. शिवप्रताप सिंह और प्र.आर. सचिन चौहान की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने बताया कि इस वर्ष 2024 में देवास पुलिस ने कुल 223 अपहृत नाबालिगों के मामले पंजीबद्ध किए और उनमें से 210 को सकुशल दस्तयाब किया। उन्होंने इस उल्लेखनीय कार्य के लिए समस्त टीम को प्रशंसा दी और उन्हें आगामी मामलों में और अधिक दक्षता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सुभाष वार्ड आंगनवाड़ी केन्द्र में टीकाकरण, गोदभराई

सुबह सवेरे सोहागपुर । सुभाष वार्ड आंगनवाड़ी केन्द्र में बी एच एस एन डी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुमित्रा देवी अहिरवार, सहायिका ललिता अहिरवार, एएनएम सविता मंडल, एएनएम सुलोचना चौधरी,आशा कार्यकर्ता ज्योति अहिरवार के सानिध्य में टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई।

इसके साथ सभी चिन्हित हितग्राहियों को टीकाकरण करके स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम ने उपस्थित जनों स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बारे में सारगर्भित जानकारी दी गई। इसी अवसर पर डब्ल्यू एच ओ के फील्ड मॉनिटर ने आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण करके टीकाकरण का निरीक्षण किया। आपने आशा कार्यकर्ताओं को टीकाकरण रजिस्टर संधारित करने की सलाह देकर एवं एवं दवाइयों पर चर्चा की गई। जिसे आशा कार्यकर्ताओं ने ध्यानपूर्वक सुना।

68वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के मैचों को देखने उमड़ रहे लोग

मैचों में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी टीमों को दिला रहे जीत

नरसिंहपुर। गाडरवारा में रूद्र मैदान में 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन तीसरे दिन मंगलवार को जारी रहा। कबड्डी मैचों का आनंद लेने लोग आ रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि नगर के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के छात्र- छात्राएँ भी मैच देखने मैदान पर आ रहे हैं। मंगलवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन सुबह एवं देर शाम को तक बालक एवं बालिका आयु वर्ग में विभिन्न संभागों के मध्य अनेक मैच खेले गये। इस दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीमों को मैच जिताया। तीसरे दिन संपन्न हुए मैचों मे बालक वर्ग मे ग्वालियर ने नर्मदापुरम संभाग को, सागर ने इंदौर संभाग को, रीवा ने जनजातीय कार्य विभाग को, भोपाल ने शहडोल संभाग को, उज्जैन ने इंदौर संभाग को, ग्वालियर ने सागर संभाग को, जबलपुर ने शहडोल संभाग को, भोपाल ने जनजातीय कार्य विभाग को, सागर ने नर्मदापुरम संभाग को और उज्जैन ने ग्वालियर संभाग को हराया। बालक वर्ग के पूल ए में रीवा प्रथम व भोपाल द्वितीय स्थान पर रहा। वहीं दूसरी तरफ पूल बी में उज्जैन प्रथम एवं ग्वालियर दूसरे स्थान पर रहा। इसी प्रकार बालिका वर्ग में खेले गए मैचों मे इंदौर ने शहडोल संभाग को, रीवा ने नर्मदापुरम संभाग को, उज्जैन ने ग्वालियर संभाग को, भोपाल ने जनजातीय कार्य विभाग को, रीवा ने सागर संभाग को, नर्मदापुरम ने शहडोल संभाग को, जबलपुर ने भोपाल संभाग को, ग्वालियर ने जनजातीय कार्य विभाग को, इंदौर ने नर्मदापुरम संभाग को, सागर ने शहडोल संभाग को, उज्जैन ने जनजातीय कार्य विभाग को और जबलपुर ने ग्वालियर संभाग को हराया। बालिका वर्ग के पूल ए में रीवा संभाग प्रथम एवं इंदौर संभाग द्वितीय और पूल बी में जबलपुर संभाग प्रथम व उज्जैन संभाग दूसरे स्थान पर रहा।

बालक वर्ग का प्रथम सेमीफाइनल रीवा एवं ग्वालियर संभाग, दूसरा सेमीफाईनल उज्जैन एवं भोपाल संभाग एवं बालिका वर्ग मे प्रथम सेमीफाइनल रीवा व उज्जैन संभाग, दूसरा सेमीफाइनल जबलपुर एवं इंदौर संभाग के मध्य खेला जायेगा। तीसरे दिन तक खेले गए मेचों के पहले पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक, नपा अध्यक्ष श्री शिवाकांत मिश्रा, श्री जिनेश जैन, एसडीएम श्रीमती कलावती ब्यारे, समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े नागरिक, गणमान्य नागरिक व समाजसेवी श्री मुकेश बसेड़िया सहित पत्रकारों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैचों का आनंद लिया।

उल्लेखनीय है कि जिला शिक्षा अधिकारी अनिल ब्योहार ने उपस्थित होकर प्रतियोगिता आयोजन से जुडी व्यवस्थाओ का अवलोकन कर जरुरी दिशा निर्देश दिए। प्रतियोगिता के मेचों मे कामेंट्री शिक्षकों राजेश गुप्ता, अर्पणा ब्राउन एवं सुनील सोनी द्वारा की गईं। प्रतियोगिता के आयोजन मे फील्ड आफिसर सुश्री चंदा सोनी, समन्वयक मनीष कटारे, देवेश वैध, अनुज जैन, मुकेश पटैल, विक्रम शर्मा, अनुज जैन सहित अनेक आफिसियल्स एवं कर्मचारियों का सहयोग निरंतर मिल रहा है। प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम 6 नवंबर को दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा।

कलार समाज नरसिंहपुर की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय

अराध्य देव राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जन्म जयंती समारोह का आयोजन भव्य रूप में मनाया जाये

नरसिंहपुर। कलार समाज नरसिंहपुर की बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 8/11/24 को हमारे अराध्य देव राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जन्म जयंती समारोह का आयोजन भव्य रूप में मनाया जाये । इस संबंध में निर्णय लिया गया कि जयंती तुलसी मानस प्रतिष्ठान सदर मंदिर प्रांगण में आयोजित होगी । जयंती के दिन भव्य विशाल वाहनों की रैली निकाली जाएगी सदर मंदिर से चालू होकर शहर का भ्रमण करते हुए तुलसी मानस प्रतिष्ठान सदर मंदिर प्रांगण में समाप्त होगी । जिसमें समस्त पुरुष, महिला, युवा अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी का पूजन किया जाएगा।1 बजे से 2 बजे तक इसके पश्चात सामाजिक जनों द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी के जीवनकाल पर प्रकाश डाला जायेगा, उद्बोधन भी होगा। इसी क्रम में शहर महिला मंडल द्वारा बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। युवाओं द्वारा अच्छी सोच के विचार प्रकट किए जायेंगे। 80 वर्ष तक के समस्त पुरुष/महिला वरिष्ठ जनों का सम्मान किया जाएगा। निवेदन है कि अपने घर के बुजुर्ग के नाम हम तक पहुंचाइये। इसी क्रम में 12 वी कक्षा में जिन बच्चों ने 75 प्रतिशत अंक से अधिक प्राप्त किए हों, या अन्य कोई प्रतिभा रखते हो उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।वे सभी अपने नाम समिति तक पहुंचाइये । इसके पश्चात पुरस्कार वितरण, प्रसाद वितरण, सहभोज करने के बाद कार्यक्रम का समापन होगा। संरक्षक अनिल कुमार राय, सुन्दर राय, राधे श्याम राय,अध्यक्ष सुरेश राय, महा सचिव संतोष चौकसे, सचिव दीपक राय, युवा अध्यक्ष नीरज राय, महिला अध्यक्ष प्रति राय एवं समस्त कलार समाज नरसिंहपुर, मीटिंग में इनकी उपस्थिति रही सर्व श्री सुरेश राय, अनिल राय, सुन्दर राय, संतोष चौकसे, राधेश्याम राय, नीरज राय, हिमांशु राय, हेमन्त राय, शैलेन्द्र राय, दीपक राय, के के चौकसे, कैलाश राय, मुरली राय, राजेन्द्र राय, नीलेश राय, अर्चना राय, स्वाति जायसवाल, प्रिती राय, आरती राय, ज्योत्स्ना राय सरिता राय व अन्य सामाजिक जन उपस्थित रहे।

भोपाल नगर निगम के कर्मचारी को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

भोपाल (नप्र)। नगर निगम कार्यालय माता मंदिर, भोपाल में पेंशन शाखा के प्रभारी लिपिक दौलत कुमार धोसले को लोकायुक्त ने 3,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

यह कार्रवाई फरियादी की शिकायत पर की गई है। इस मामले में फरियादी मुकेश दनके ने अपने पिताजी की पेंशन को अपनी माताजी के नाम पर कराने के लिए नगर निगम कार्यालय माता मंदिर में आवेदन दिया था, जिसके लिए उनसे 5,000 रुपए की रिश्वत मांगी गई थी।लोकायुक्त के अनुसार, 4 नवंबर को आवेदक मुकेश दनके, निवासी पंचशील नगर, भोपाल ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त, भोपाल को शिकायत दी कि उनके पिता का गत माह निधन हो गया है और उनके पेंशन प्रकरण को उनकी माता के नाम पर स्थानांतरित करने के लिए दौलत कुमार द्वारा 5,000 रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है, जो कि नगर निगम भोपाल, माता मंदिर चौराहा स्थित पेंशन कार्यालय में पदस्थ हैं।

रेवा साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

नरसिंहपुर। रेवा साहित्य मंच कौंड़िया की मासिक काव्य गोष्ठी मरहई माता दरबार में वरिष्ठ कवि गोविन्द गलीच के मुख्यातिथ्य व फाग कवि शंकरलाल बैरागी की अध्यक्षता मे आयोजित की गयी।माँ सरस्वती पूजन व कवि चन्द्रभान मालवीय द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से काव्य गोष्ठीका शुभारंभ हुआ।प्रथम कवि के रूप में रविदास नवगैंया ने कबीर के दोहे कहे। वृद्ध कवि सीताराम नवगैया ने संस्कार पर केन्द्रित रचना प्रस्तुत की वहीं वरिष्ठ कवि गोविंद गलीच ने मँहगाई को लेकर कविता सुनाई।फाग कवि शंकरलाल बैरागी ने लोकशैली में रचना सुनाकर वाह-वाही लूटी वहीं नोनकरन खंगार ने सवैयों से अपने भाव प्रकट किये।वरिष्ठ कवि पी.एस.पुराणिया पांचाल ने मौसम की आपदा शब्दों में कही वहीं गोष्ठी का संचालन कर रहे कवि चन्द्रभान मालवीय ने भजन सुनाकर तालियाँ बटोरी।बृन्दावन बैरागी कृष्णा ने गौ माता की दुर्दशा को लेकर कविता सुनाने के साथ आभार प्रदर्शन किया।

छठ महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू

भोजपुरी पूर्वांचल समाज आज खरना के साथ 36 घंटे का करेगा निर्जला व्रत

भोपाल (नप्र)। विनायकी चतुर्थी, ज्येष्ठा और मूल नक्षत्र के शुभ संयोग के बीच 5 नवंबर (मंगलवार) को सूर्य आराधना के छठ महापर्व का शुभारंभ नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया था। आज से खरना रस्म के साथ ही भोजपुरी व पूर्वांचल समाज के परिवारों में 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत होगी, जिसका समापन 8 नवंबर को सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

धृति योग में होगी 7 नवंबर को छठ पूजा, सूर्य को देंगे अर्घ्य: भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि नहाए खाए का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन व्रत करने वाले लोग नदी या तालाब में स्नान कर छठ करने का संकल्प लेते हैं। इस दिन विशेष रूप से चावल, चना दाल और लौकी या कद्दू से बनी सब्जी का सेवन किया जाता है। 7 नवंबर को गुरुवार को धृति योग में छठ महापर्व मनाया जाएगा। यह तिथि नंदा संज्ञक तिथि है, जिसका अर्थ है आनंद देने वाला दिवस। इस तिथि के आराध्य सूर्य व माता षष्ठी के साथ ही इसके स्वामी भगवान कार्तिकेय भी हैं। इस दिन शाम को समाज के लोग पानी में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देंगे।

खटलापुरा घाट पर गूंजेंगे भोजपुरी भजन और लोकगीत: इस साल छठ पूजा का महापर्व 5 नवंबर (मंगलवार) से आरंभ हो रहा है। चार दिवसीय इस उत्सव के पहले दिन को 'नहाय खाय' और दूसरे दिन को 'खरना' कहा जाता है। तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा को 'डाला छठ पूजा' कहलाता है, जबकि चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन होता है।

छठ पर्व पर शहर में विभिन्न घाटों व मंदिरों समेत करीब 50 स्थानों पर पूजा की जाएगी। इन स्थलों पर सोमवार को भी साफ-सफाई, रंगाई व सजावट आदि का कार्य चलता रहा। छठ तिथि 6 नवंबर की मध्य रात्रि 12.41 पर शुरू होकर 7 नवंबर की मध्य रात्रि 12.24 बजे तक रहेगी।

छठ पूजा घाटों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक

विधायक रामेश्वर शर्मा ने हुजूर विधानसभा के छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण कर प्रशासन को व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। वहीं घाटों पर सुरक्षा, साफ़ सफ़ाई के साथ साथ चेंजिंग रूम बनाने के निर्देश भी दिए।विगत दिनों विधायक ने संत नगर झूलेलाल विसर्जन घाट, गांव बैरागढ़, नीलबड, मुखर्जी नगर कोलार के विश्वकर्मा नगर, कलियासोत नदी घाट समरधा, श्रीकृष्ण पुरम घाट, हलाली डेम घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया था। इस दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र चौहान, नगर यंत्री प्रमोद मालवीय, तहसीलदार सुनील वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में परिवार ने एक साथ किया आत्मदाह का प्रयास

कलेक्टोरेट के बाहर बच्चे पर भी डाला पेट्रोल

शाजापुर (नप्र)। कलेक्ट्रेट में हर मंगलावर होने वाली जनसुनवाई में पहुंचे पूरे परिवार ने आत्मदाह का प्रयास किया। कार्यालय के बाहर ही पूरे परिवार ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया, यहां तक की महिला ने साथ लिए बच्चे पर भी पेट्रोल उड़ेल दिया। इससे पहले की वो आगे कुछ कर पाते, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने सभी को पकड़ लिया और काफी समझाईश के बाद उन्हें मनाया गया।

बच्चे पर भी डाला पेट्रोल: दरअसल हर मंगलवार की तरह कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई चल रही थी। कलेक्टर ऋजु बाफना लोगों की शिकायते सुन रहे थे, इसी दौरान कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंची महिला सोनाबाई और उसके परिजनों ने बाटल में लिया पेट्रोल खुद पर डाल लिया। महिला के साथ एक और शख्स, दो युवक और एक बच्चा भी था, उस पर भी पेट्रोल उड़ेल दिया। इस दौरान कार्यालय के बाहर अपरातफरी का माहौल निर्मित हो गया। अधिकारियों की समझाईश के बाद मामला शांत हुआ।

राशन दुकान का आवंटन रद्द की आशंका से किया प्रयास: डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलधर ने बताया कि पेट्रोल डालने वाली महिला सोनाबाई स्वसहायता समूह की अध्यक्ष थी। समूह में आपसी विवाद के बाद महिला को पद से पृथक कर दिया गया था। समूह द्वारा राशन दुकान संचालित की जाती है। राशन दुकान का आवंटन रद्द होने की आशंका को लेकर पूरे परिवार ने आत्मदाह का प्रयास किया। डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि संदेह के चलते उन्होंने ये प्रयास किया, लेकिन राशन दुकान का आवंटन रद्द नहीं हुआ है। सभी सुरक्षित हैं और सभी को सकुशल घर भी पहुंचा दिया गया है। उनके साथ अब ऐसी कोई समस्या नहीं है।

पिज्जा खाने के शौकीन हैं तो हो जाएं सावधान

आर्डर किए पिज्जा में निकले कीड़े

शहडोल (नप्र)। इन दिनों दूषित खाद्य पदार्थ लोगों को परोसा जा रहा है, इसका ताजा मामला बीती रात सामने आया है। एक युवक होटल से पिज़्ज़ा खरीदीकर अपने घर गया और परिवार के साथ उसे खोला तो पिज्जा में कीड़े रेंग रहे थे। शहडोल जिले के इतवारी मोहल्ला निवासी रोहन बर्मन ने बड़े ही चाव से स्टेडियम रोड पर स्थित डी लाइट काफी एंड रेस्टोरेंट से एक पिज्जा ऑर्डर कर घर ले गए थे। डिब्बा खोलते ही रोहन के होश उड़ गए।

ताज्जुब की बात यह कि दोनों कीड़े जिंदा थे: ऑर्डर किए हुए पिज्जा में एक कीड़ा दिखा। इसके बाद पिज्जा को ठीक से देखा तो स्लाइस में एक और कीड़ा था। ताज्जुब की बात यह कि दोनों कीड़े जिंदा थे और रेंग रहे थे, लेकिन डिब्बा खोलते ही मन में पिज्जा को लेकर एक डर सा बैठ गया।

कीड़ा अपने आप ही पिज़्ज़ा में आ गया होगा: युवक व उसके परिवार के लोगों ने नाराजगी जताते हुए होटर पर जाकर शिकायत की, लेकिन दुकानदार ने तो यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि मौसम में परिवर्तन हुआ है, जिसकी वजह से कीड़ा अपने आप ही पिज़्ज़ा में आ गया होगा। स्टेडियम रोड स्थित एक होटल में इन दिनों दूषित खाद्य पादर्थ बेचा जा रहा है। इतवारी मोहल्ला निवासी रोहन बर्मन ने बताया कि रात करीब 9.30 बजे वह स्टेडियम रोड स्थित होटल से पिज्जा लेकर घर गया था। रात जब उस पार्सल को खाने के लिए खोला तो उसमें से बड़े-बड़े कीड़े चल रहे थे। रोहन बर्मन ने बताया कि उसने पिज्जा लेने के बाद आनलाइन भुगतान किया था।

खाद एवं औषधि निरीक्षक के प्रभारी ने नहीं उठाया फोन: संबंधित विभाग का लापरवाही के दूषित खाद्य सामाग्री बिक रही है।इस मामले को लेकर खाद एवं औषधि निरीक्षक शहडोल एवं अनुपपुर जिले के प्रभारी आरके सोनी से संपर्क किया लेकिन उन्होंने ने हमेशा की तरह फोन नहीं उठाया।

भोपाल की 2 सर्वश्रेष्ठ इन्वेस्टिगेशन को अवॉर्ड

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के 107 बेहतरीन इन्वेस्टिगेशन पर दिए पुरस्कार, इनमें मप्र की कुल 7 इन्वेस्टिगेशन भी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार में महिला ने देवर के साथ मिलकर पहले पति का कत्ल किया। फिर 5 साल बाद देवर की भी हत्या कर दी। 2021 में देवर की हत्या के बाद दोनों ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करने वाले कोलार थाना प्रभारी रहे चंद्रकांत पटेल को मेडल फॉर एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन 2024 से नवाजा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मेडल के लिए मप्र के 6 अन्य जांच अधिकारियों को चुना है। इनमें दो भोपाल के हैं। एडीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव ने बताया कि इन्वेस्टिगेशन कैटेगरी में एसआई सुलोचना गहलोद, इंस्पेक्टर चैन सिंह उइके, जगदीश गोयल, मीना करनावत व डीएसपी रूपरेखा यादव को अवॉर्ड मिला।

सबसे ज्यादा 348 अवॉर्ड स्पेशल ऑपरेशन कैटेगरी में : ये पांचवां मौका है, जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ये पुरस्कार दिए हैं। इसका मकसद फील्ड पर काम करने वाले पुलिस अफसरों को प्रोत्साहन देना है। ये अवार्ड चार अलग-अलग कैटेगरी में दिए जाते हैं। इस बार सबसे ज्यादा 348 अवार्ड स्पेशल ऑपरेशन कैटेगरी में दिए गए हैं। बेहतरीन इन्वेस्टिगेशन में 107 और फॉरेंसिक कैटेगरी में 8 पुलिस अफसरों-कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए हैं। चौथी कैटेगरी इंटेलिजेंस फील्ड है।

इन मामलों से उठाया परदा

पत्नी और बच्चों के एक जैसे जवाब, पुलिस ने दफनाने वाला पांसा फेंका तो फंस गए

28 मई 2021 को दामखेड़ा ए-सेक्टर (कोलार) के खाली मैदान में मोहन मीना का शव मिला था। जांच में पता चला कि 5 साल से मोहन का भाई रंजीत भी लापता है। पुलिस ने मोहन की भाभी उर्मिला और उसके बच्चों से सवाल किए।

अमरकंटक-पचमढ़ी सबसे ठंडे

भोपाल-जबलपुर में ग्वालियर से ज्यादा सर्दी; इंदौर-उज्जैन में पारा 18 डिग्री के आसपास पहुंचा

भोपाल (नप्र)। नवंबर की शुरुआत होते ही मध्यप्रदेश में रातें ठंडी हो गई हैं। ज्यादातर शहरों में रात का टेम्प्रेचर 20 डिग्री सेल्सियस से कम है। अनूपपुर का अमरकंटक और नर्मदापुरम का पचमढ़ी सबसे ठंडा है। यहां टेम्प्रेचर 13 डिग्री के नीचे चल रहा है। 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में भोपाल, जबलपुर की तुलना में कम ठंड है। यहां पारा 17 डिग्री है। वहीं, इंदौर-उज्जैन में 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी हवाओं के असर से ग्वालियर और चंबल संभाग सबसे ठंडा रहता है लेकिन अभी ठंड की शुरुआत है इसलिए भोपाल-जबलपुर की तुलना में ग्वालियर में ठंड कम है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात की बात करें तो भोपाल-जबलपुर में तापमान 17 डिग्री, ग्वालियर में 17.3 डिग्री, उज्जैन में 18.3 डिग्री और इंदौर में 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मंडला, रीवा, मलाजखंड-उमरिया में भी पारा लुढ़का

अमरकंटक और पचमढ़ी के अलावा मंडला, रीवा, मलाजखंड (बालाघाट), उमरिया समेत कई शहरों में रात का पारा लुढ़क गया है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अमरकंटक में 12.2 डिग्री, पचमढ़ी में 12.4 डिग्री, मंडला में 13.6 डिग्री, रीवा में 14.4 डिग्री, मलाजखंड में 14.8 डिग्री, उमरिया में 15.3 डिग्री, राजगढ़ में 16 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

इसी तरह बैतूल-सतना में 16.7 डिग्री, खजुराहो, टीकमगढ़-नौगांव में 17 डिग्री, रायसेन में 17.2 डिग्री, खरगोन में 17.8 डिग्री, खंडवा में 18 डिग्री, सिवनी में 18.4 डिग्री, गुना में 19 डिग्री, रतलाम में 19.2 डिग्री, नर्मदापुरम में 19.4 डिग्री, धार में 19.5 डिग्री, दमोह में 19.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। ऐसा ही मौसम सोमवार-मंगलवार की रात में भी देखने को मिला।सोमवार को दो हजार से अधिक पर्यटक पचमढ़ी के धूपगढ़ पर सन सेट देखने पहुंचे।

दिन में 30 डिग्री से ज्यादा तापमान: प्रदेश में रात में 20 डिग्री से कम और दिन में 30 डिग्री से ज्यादा तापमान है। सोमवार को पचमढ़ी में 27.2 डिग्री, मलाजखंड में 27.8 डिग्री तापमान रहा। बाकी शहरों में यह 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

नवंबर के दूसरे सप्ताह में बढ़ेगी ठंड: मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में बर्फबारी होने के बाद पूरा मध्यप्रदेश ठिठुरने लगता है। इस बार नवंबर के दूसरे सप्ताह में उत्तर से ठंडी हवाएं आ सकती हैं। जिससे ठंड का असर और भी बढ़ जाएगा। पिछले 10 साल से यही ट्रेंड है।

नवंबर में ऐसा रहता है प्रदेश का मौसम: दक्षिण-पश्चिम मानसून के समाप्त होने के बाद मौसम सामान्य होता है लेकिन आसमान बादलों से घिरा रहता है। अक्टूबर की तरह उमस महसूस नहीं होती है। वहीं, रात के पारे में गिरावट आने लगती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ग्वालियर, चंबल, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई संभागों में हल्की बारिश हो जाती है। दिन में पारा 30 डिग्री और रात में 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहता है।

मध्य प्रदेश में संरक्षित की जाएगी औषधीय गुणों से भरपूर खुरासानी इमली, हर जगह होगी खोज

वन मुख्यालय ने सभी डीएफओ को भेजे निर्देश

भोपाल(नप्र)। मध्य प्रदेश में खुरासानी इमली को संरक्षित किया जाएगा। इसके लिए इसकी खोज प्रदेश भर में की जाएगी। धार जिले के मांडू में पाए जाने वाले प्राचीन एवं सांस्कृतिक महत्व के वृक्ष खुरासानी इमली की वनमंडलों में खोज करने के लिए वन मुख्यालय ने सभी डीएफओ को निर्देश जारी किए हैं।

मांडव इमली के नाम से भी ख्यात- दरअसल, 14वीं शताब्दी में महमूद खिलजी के शासनकाल के दौरान इसे मांडू लाया गया था और इसका नाम बाओबाब से बदलकर खुरासानी इमली कर दिया गया। इसे एक और नाम मांडव इमली से भी जाना जाता है। यह पेड़ ऐसा दिखता है, जैसे किसी ने इसे उल्टा करके लगाया हो। जड़ें ऊपर और तना नीचे, पत्तियां केवल वर्षा ऋतु में उगती हैं।

यह है खासियत

इसके फल को खाने के बाद तीन से चार घंटे तक प्यास नहीं लगती। इसकी उम्र पांच हजार वर्ष से भी अधिक हो सकती है। यह पेड़ अपने जीवन काल में लगभग एक लाख 20 हजार लीटर तक का पानी संग्रह कर सकता है। यह अपने खास स्वाद के साथ ही औषधीय गुणों के लिए भी जाने जाते हैं।

बता दें कि धार जिला प्रशासन की अनुशंसा पर वन विभाग के अधिकारियों द्वारा 11 खुरासानी इमली के पेड़ को हैदराबाद स्थित ग्रीन किंगडम नामक प्राइवेट कंपनी के बोटैनिकल गार्डन में ट्रांसलोकेट कर दिया गया था, जिसका प्रकरण हाईकोर्ट में चल रहा है।

केंद्रीय विद्यालय-2 भोपाल में 35वां राष्ट्रीय युवा संसद

प्रश्नकाल सत्र में एनईपी 2020, 'वन नेशन, वन इलेक्शन',साइबर अटैक, डिजिटल इंडिया मुद्दों पर बहस

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2 भोपाल में 35वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता (आंचलिक स्तर) का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद रघुनंदन शर्मा, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन की संयुक्त आयुक्त चन्दना मंडल, के वि एस भोपाल संभाग के उपायुक्त डॉ. आर सेंदिल कुमार तथा संविधान सदन के अपर सचिव शरद द्विवेदी एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय के सहायक अनुभाग अधिकारी अंकित मुद्गल ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में एक युवा

सांसद द्वारा संसद में होने वाली कार्रवाई को दर्शाने की प्रक्रिया दिखाई गई। साथ ही संसद में होने वाली कार्रवाई, सांसदों द्वारा किए जाने वाले प्रश्नों की प्रक्रिया, बहस आदि कार्यक्रम को बच्चों ने प्रदर्शित करके दिखाया। जिसकी लोगों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के 275 प्रतिभागियों और लगभग 30 अनुरक्षक शिक्षकों ने भाग लिया। युवा संसद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संसद की कार्यवाही को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें युवा संसद की परम्पराओं, अनुशासन और वक्तृत्व कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली से अवगत कराता है, बल्कि उनमें विचार अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों का भी विकास करता है।

जींस-टीशर्ट पहनाकर ठिकाने लगाया पत्नी का शव

बैग भी पैक किया ताकि लगे कि घर छोड़कर भाग रही थी; रोज थाने जाता, घंटों रोता

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में पत्नी की हत्या के बाद पति ने उसे अपनी जींस-टीशर्ट पहनाई। उसके कपड़े भरकर बैग पैक किया। इसके बाद पिता की मदद से शव नदी में ठिकाने लगा दिया। हत्या 26 अगस्त की रात की। 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रोज थाने में जाकर बैठ जाता। रो-रोकर पुलिस से कहता- पत्नी किसी के साथ भाग गई है, उसे ढूंढ दीजिए। उसने ससुराल जाकर भी पत्नी को ढूंढने का नाटक किया। हालांकि, उसका फरेब ज्यादा दिन नहीं चला। सोमवार को पुलिस ने उसे और उसके पिता दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मामला पथरिया गांव का है। 1 नवंबर की शाम गांव से 3 किलोमीटर दूर हिरन नदी में रजनी का शव मिला था। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया तो मौत की वजह गला घोंटना सामने आई। इसके पहले तक रजनी के पति चैन सिंह (36) पर तरस खा रही पुलिस ने जब सख्ती की तो उसने सारा सच उगल दिया।

बाइक पर लाश को पुरुष की तरह बैठाया: पुलिस के मुताबिक, आरोपी चैन सिंह ने पूछताछ में बताया कि उसने हत्या करने के बाद रजनी की साड़ी उतारकर जींस-टीशर्ट पहना दी। उसके सिर पर गमछा डाल दिया। पिता-

पुत्र ने बाइक पर लाश को बीच में इस तरह बैठाया कि कोई देखे तो पुरुष ही लगे। चैन सिंह ने बैग में रजनी के कपड़े भी भर लिए थे। यह सब करने के पीछे का कारण था कि अगर कभी रजनी का शव मिले तो पुलिस को लगे कि वह घर से भागने के लिए निकली थी। बाद में नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के सामने पत्नी के जीजा पर जताया भगाने का शक: 26 अक्टूबर की रात रजनी की हत्या करने के बाद चैन सिंह के पिता मुन्ना सिंह ने खेत पर जाना बंद कर दिया। वह अधिकतर समय घर पर ही रहता था जबकि चैन सिंह पुलिस को गुमराह करने के लिए रोज बेलखेड़ा थाने पहुंच जाता था। कई घंटे कुर्सी पर बैठा रहता था। वह पुलिस से कहता, पत्नी किसी के साथ चली गई है, कई बार तो उसके जीजा पर शक होता है। आरोपी के इस बयान पर पुलिस ने रजनी के जीजा से भी पूछताछ की थी।

ससुराल भी पहुंचा, पूछा- रजनी यहां आई है क्या: चैन सिंह 27 अक्टूबर की दोपहर ससुराल कटीला गांव भी पहुंचा था। उसने साले राजेश से पूछा- रजनी आई थी क्या? राजेश ने बताया कि दीदी नहीं आई। इस पर चैन सिंह बोला- किसी के साथ भाग गई है। रजनी के परिवार ने उससे कुछ और बात करनी चाही, लेकिन वह रुका नहीं और सीधा घर आ गया। शक होने पर रजनी का भाई और मां बेलखेड़ा थाने भी पहुंचे थे।

महिला ने मां को फोन कर बुलाया था: दरअसल, चैन सिंह दूसरी शादी करना चाहता था। रजनी को इसका पता चला तो 26 अक्टूबर को उसने अपनी मां पार्वती बाई को फोन कर बताया।